रुड़की का प्रथम व एक मात्र हिन्दी दैनिक

परम नागरिक

यानि केवल पत्रकारिता

Now Visit us:
www.paramnagrik.in

आर.एन.आई. सं. UTTHIN/2011/36627
डाक पंजीयन- जी U/ADO/DDN/03/2024-2026

वर्ष 15 अंक 31 कुल पृष्ठ 8 रुड़की (हरिद्वार) गुरुवार, 27 फरवरी, 2025 मूल्य ₹ 3.00

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दिए कॉपर पर संभावित शुल्क की जांच के आदेश

आरएनएस

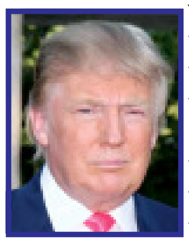

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कॉपर के आयात से अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को लेकर संबंधित खतरे की जांच के लिए एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। इस कार्यकारी आदेश के तहत एयरक्राफ्ट, वाहन, जहाज और दूसरे मिलिट्री हार्डवेयर बनाने में इस्तेमाल होने वाले मेटल पर नए शुल्क लगाए जा सकते हैं।

ट्रंप ने वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक को 1962 के व्यापार विस्तार अधिनियम की धारा 232 के तहत जांच करने का निर्देश दिया। जिसके अनुसार अगर कोई आयात संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करता है तो राष्ट्रपति को आयात प्रतिबंध लगाने की अनुमति है।

योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब ट्रंप अमेरिका के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ावा देने, अमेरिका के व्यापार घाटे को कम करने और दूसरे नीतिगत लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए शुल्क का उपयोग कर रहे हैं।

व्हाइट हाउस ने एक फैक्ट शीट में कहा, इस आयातित कॉपर से संयुक्त राज्य अमेरिका पर पडने वाले संभावित खतरे को लेकर जांच की जाएगी। इसका एक उद्देश्य घरेलू उद्योगों की सुरक्षा को लेकर किए जा रहे उपायों की जरूरत का आकलन करना भी होगा।

इसमें कहा गया है, जांच के बाद एक रिपोर्ट तैयार की जाएगी, जिसमें कॉपर की सप्लाई चेन में कमजोरियों की पहचान की जाएगी और अमेरिका की घरेलू कॉपर इंडस्ट्री को और मजबूत करने को लेकर सिफारिशें दी जाएंगी।

एक सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका के स्टील और एल्युमीनियम इंडस्ट्री की तरह, कॉपर इंडस्ट्री भी हमारे घरेलू उत्पादन पर हमला करने वाले ग्लोबल एक्टर्स द्वारा तबाह कर दी गई है।

उन्होंने ट्रुथ सोशल पर लिखा, हमारी कॉपर इंडस्ट्री को फिर से खड़ा करने के लिए, मैंने अपने वाणिज्य सचिव और यूएसटीआर से कॉपर के आयात की स्टडी करने और अमेरिकियों को बेरोजगार करने वाले अनुचित व्यापार को समाप्त करने का अनुरोध किया है। टैरिफ हमारे अमेरिकी कॉपर इंडस्ट्री को फिर से खड़ा करने और हमारी राष्ट्रीय रक्षा को मजबूत करने में मदद करेंगे। यूएसटीआर अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि का संक्षिप्त नाम है। उन्होंने आगे कहा, अमेरिकी उद्योग कॉपर पर निर्भर हैं और इसे अमेरिका में ही बनाया जाना चाहिए-कोई छूट नहीं, कोई अपवाद नहीं! 'अमेरिका फर्स्ट' अमेरिकी नौकरियों का सृजन करता है और हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा करता है। कॉपर के श्कम होमश का समय आ गया है।

संकट में बांग्लादेश, आर्मी चीफ ने दी चेतावनी

हसीना सरकार गिराने वाले छात्रों ने किया पार्टी बनाने का ऐलान

आरएनएस

ढाका। बांग्लादेश में सियासी भूचाल फिर से आने वाला है। छात्र नेताओं द्वारा अब अपनी राजनीतिक पार्टी बनाने का ऐलान कर दिया गया है। ये वहीं छात्र है जिन्होंने शेख हसीना की सरकार गिरा दी थी।

मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के सलाहकार नाहिद इस्लाम ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। नाहिद इस्लाम यूनुस कैबिनेट में सूचना सलाहकार के पद पर तैनात थे। उन्होंने मोहम्मद यूनुस को अपना इस्तीफा दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नई पार्टी बनाने की घोषणा जल्द की जाएगी। जातीय नागरिक समिति के मुख्य आयोजक सरजिस आलम ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए पार्टी बनाने का एलान किया है।

वहीं दूसरी तरफ बांग्लादेश में नेताओं के बीच आंतरिक स्थिति की पैदा हो गई है। बांग्लादेश आर्मी चीफ (सेना प्रमुख) ने भी सभी नेताओं को चेतावनी दी है। सेना प्रमुख वकार-उज्जमान ने कहा,ष्देश की कानून व्यवस्था खराब होने के कुछ कारण हैं। पहला कारण हैं कि हम आपस में ही लडने में व्यस्त हैं। अगर आप अपने मतभेदों को नहीं भुलाते हैं तो इससे दिक्कत होगी। देश की संप्रभुता जोखिम में पड़ जाएगी। मैं चेतावनी दे रहा हूं। सभी नेता एक दूसरे पर आरोप लगाने में व्यस्त हैं, जिससे शरारती तत्वों को माहौल बिगाडने का मौका मिल रहा है।ष सेना प्रमुख वकार-उज्जमान ने नेताओं को कहा कि मैं सिर्फ आपको वार्निंग दे रहा हूं। इसके पीछे कोई निजी एजेंडा नहीं है। मैं देश की भलाई में यह बात कह रहा हूं। मैं सिर्फ शांति बहाली चाहता हूं।

बता दें कि पिछले साल सरकार नौकरियों में आरक्षण खत्म करने की मांग को लेकर छात्रों ने प्रदर्शन किए थे। आंदोलनकारी छात्रों ने शेख हसीना सरकार के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन किए। इस हिंसक प्रदर्शन में 1200 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी।

गवाह की नहीं होती कोई उम्र

बच्चों की गवाही भी मान्य : सुप्रीम कोर्ट

ईएमएस

नई दिल्ली। सर्वोच्च अदालत ने स्पष्ट किया कि गवाह के लिए कोई न्यूनतम उम्र नहीं होती और बच्ची के बयान को सिर्फ इसलिए खारिज नहीं किया जा सकता क्योंकि वह 7 साल की है। शीर्ष अदालत ने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के फैसले को पलटते हुए एक व्यक्ति को अपनी पत्नी की हत्या का दोषी ठहराया और उम्रकैद की सजा सुनाई। यह मामला खास इसलिए है क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने 7 साल की बच्ची की गवाही को आधार बनाया, जिसने अपनी मां की हत्या होते देखी थी।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने एमपी हाईकोर्ट के फैसले को पलट दिया। हाईकोर्ट ने बच्ची के बयान को खारिज कर दिया था और आरोपी को बरी कर दिया था।सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एविडेंस एक्ट में गवाह की न्यूनतम उम्र तय नहीं है। इसलिए, बच्ची की गवाही को सिर्फ इसलिए खारिज नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने कहा कि अगर बच्चा गवाही देने के लिए सक्षम है, तो उसकी

गवाही किसी अन्य गवाह की तरह ही मानी जाएगी। लेकिन, अदालत को बच्चे के बयान की जांच बहुत ध्यान से करनी चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि बच्चे जल्दी बहकावे में आ सकते हैं। सर्वोच्च कोर्ट ने आगे कहा कि इसका मतलब यह नहीं कि छोटी-सी गलती पर बच्चे की गवाही को खारिज कर दिया जाए। बल्कि, बच्चे के बयान को बहुत सावधानी से परखा जाना चाहिए। इस मामले में, सर्वोच्च कोर्ट ने बच्ची की गवाही को विश्वसनीय मानते हुए उसके पिता को उम्रकैद की सजा सुनाई।यह फैसला भविष्य में ऐसे मामलों में एक मिसाल का काम करेगा। ये निर्णय बच्चों के अधिकारों की रक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

65 करोड़ से अधिक ने लगाई आस्था की डुबकी

महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व के साथ महाकुंभ का हुआ समापन

आरएनएस

महाकुंभ नगर। तीर्थराज प्रयागराज की धरती पर बीते 13 जनवरी से आयोजित हो रहे दिव्य-भव्य और सांस्कृतिक समागम महाकुंभ ने बुधवार को महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व पर 65 करोड़ का आंकड़ा पार कर कीर्तिमान गढ़ दिया है।

महाशिवरात्रि के अंतिम स्नान पर्व पर सुबह आठ बजे तक ही लाखों लोगों ने स्नान कर इस महारिकॉर्ड को स्थापित कर इस महाकुम्भ को संख्या के लिहाज से इतिहास के पन्नों में दर्ज करा दिया। कुम्भ ही नहीं, दुनिया के किसी भी आयोजन में आज तक एक साथ इतनी बड़ी संख्या में लोग नहीं जुटे हैं, जितने 45 दिनों के अंदर प्रयागराज में बनाए गए एक अस्थायी शहर में जुट गए। यह संख्या कई देशों की आबादी से भी कई गुना अधिक है।

65 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में सनातन आस्था की पावन डुबकी लगाकर धार्मिक और सांस्कृतिक एकता की अद्वितीय मिसाल कायम कर दी है। 65 करोड़ श्रद्धालुओं के किसी एक स्थान पर जुटने का इतिहास में और कोई उदाहरण नहीं दिखाई देता। सनातन के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था, दृढ़ निश्चय

और विश्वास का ही यह फल है कि संगम तट पर इतना विशाल जनसमूह 45 दिनों में एकत्र हो गया।

यदि इस संख्या की दुनिया भर के देशों की आबादी से तुलना की जाए तो कई देशों की आबादी इसमें समा जाएगी। अमेरिका की दोगुनी से ज्यादा, पाकिस्तान की ढाई गुना से अधिक और रूस की चार गुनी से ज्यादा आबादी के बराबर श्रद्धालु यहां अब तक आ चुके हैं। यही नहीं, जापान की 5 गुनी आबादी, यूके की 10 गुनी से ज्यादा आबादी और फ्रांस की 15 गुनी से ज्यादा आबादी ने यहां आकर त्रिवेणी संगम में पावन डुबकी लगा ली है।

तीर्थराज प्रयागराज में आयोजित इस महाकुम्भ में संख्या के लिहाज से भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया भर में सनातन धर्म को मानने वाले करोड़ों श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। यदि देश की कुल जनसंख्या से स्नानार्थियों की तुलना की जाए तो इसके अनुसार भी लगभग 50 प्रतिशत भारत ने त्रिवेणी संगम में डुबकी लगा ली है। वहीं अगर सनातन धर्मावलंबियों की बात करें तो देश के 60 प्रतिशत से ज्यादा और दुनिया के करीब 55 प्रतिशत सनातनी श्रद्धालुओं ने पावन स्नान कर लिया है।

45 दिन तक चले इस आयोजन में श्रद्धा की डुबकी लगाने के लिए दुनिया भर से श्रद्धालु जुटे हैं। 73 देशों के राजनयिकों के साथ भूटान नरेश नामग्याल वांगचुक समेत तमाम देशों के अतिथि यहां अमृत स्नान करने पहुंचे। यही नहीं, मां जानकी के मायके नेपाल के 50 लाख से अधिक लोग अब तक त्रिवेणी के पवित्र जल में स्नान कर महाकुम्भ के साक्षी बन चुके हैं।

इसके अलावा इटली, फ्रांस, यूके, पुर्तगाल, अमेरिका, इजराइल, ईरान, मॉरीशस समेत दुनिया के कोने-कोने से श्रद्धालु यहां पहुंचे हैं। मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतों, श्रद्धालुओं, स्नानार्थियों और गृहस्थों का स्नान अब उस शिखर के भी पार पहुंच गया है, जिसकी महाकुम्भ से पहले ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उम्मीद जताई थी। सीएम योगी ने पहले ही अनुमान जताया था कि इस बार जो भव्य और दिव्य महाकुम्भ का आयोजन हो रहा है वह स्नानार्थियों की संख्या का नया रिकॉर्ड स्थापित करेगा। उन्होंने शुरुआत में ही 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई थी। हालांकि, श्रद्धालुओं की संख्या सीएम योगी के अनुमान से भी आगे निकल गई।

मुख्यमंत्री धामी से खटीमा में की न्यूजीलैंड डेलिगेशन ने शिष्टाचार भेंट

संवाद सहयोगी

देहरादून। गौरतलब है कि प्राइमरी इंडस्ट्री मिनिस्ट्री, न्यूजीलैंड सरकार के सलाहकार प्रोफेसर गैरी तथा न्यूजीलैंड के पशुचिकित्सा वैज्ञानिक प्रोफेसर निकोलस द्वारा जनपद उधम सिंह नगर के तहसील किच्छा, गदरपुर, काशीपुर के अंतर्गत भारत सरकार की ब्रीड मल्टीप्लीकेशन फार्म योजना के लाभार्थियों के फॉरम फार्मो का निरीक्षण व अध्ययन किया जा रहा है। इस दौरान जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, एसएसपी मणिकांत मिश्रा, मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ आशुतोष जोशी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं ने दिया राष्ट्रीय एकात्मकता और समर्पण का संदेश : योगी

आरएनएस

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी प्रदेशवासियों, प्रयागराज महाकुंभ, बाबा विश्वनाथ धाम, अयोध्या में देश-दुनिया से आए श्रद्धालुओं और प्रदेश के सभी देवालयों-शिवालयों में उमड़े आस्थावानों को महाशिवरात्रि के पावन पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

उन्होंने प्रयागराज महाकुंभ का विशेष उल्लेख करते हुए कहा है कि यहां अब तक लगभग 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने राष्ट्रीय एकात्मकता और राष्ट्रीयता के प्रति समर्पण का संदेश पूरी दुनिया को दिया है।

महाशिवरात्रि पर बुधवार को गोरखपुर के प्रमुख शिवालयों के भ्रमण, दर्शन-पूजन और जलाभिषेक के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुक्तेश्वरनाथ मंदिर पर मीडिया से बातचीत में कहा कि आज महाशिवरात्रि है अर्थात देवाधिदेव महादेव की उपासना का विशेष दिवस। देवाधिदेव महादेव कल्याण के देवता हैं। वह सबके प्रति कल्याण का भाव रखते हैं। उनकी कृपा दृष्टि से ही सभी व्यवस्था संचालित हो पाती है। महाशिवरात्रि पर प्रयागराज महाकुंभ में, बाबा विश्वनाथ के धाम काशी में और प्रदेश के अन्य सभी महत्वपूर्ण शिवालयों में श्रद्धालुजन भगवान भोलेनाथ के प्रति आस्था निवेदित कर रहे हैं। हर जगह भारी भीड़ है और श्रद्धालुजन अपार श्रद्धा भाव के साथ दर्शन-पूजन कर रहे हैं। यह आस्था भारत की एकात्मकता का प्रतीक है। मैं इस आस्था को नमन करता हूं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रयागराज महाकुंभ में अपार भीड़ है। 13 जनवरी से प्रारंभ हुआ महाकुंभ आज पूर्णाहुति को प्राप्त करेगा। लगभग 66 करोड़ श्रद्धालुजन मां गंगा, मां यमुना, मां सरस्वती की त्रिवेणी में पावन डुबकी लगाकर राष्ट्रीय एकात्मकता का नया संदेश दे रहे हैं। वसुधैव कुटुंबकम के भाव के साथ श्रद्धालु सभी को राष्ट्रीयता के प्रति समर्पित होने की नई प्रेरणा भी प्रदान कर रहे हैं।

बिहार में नीतीश कैबिनेट का हुआ विस्तार, भाजपा के 7 विधायक बने मंत्री

ईएमएस

पटना। बुधवार शाम बिहार में नीतीश सरकार के कैबिनेट का विस्तार किया गया है। कैबिनेट विस्तार में बीजेपी के 7 विधायकों को मंत्री बनाया गया है। बिहार में बजट सत्र की शुरुआत 28 फरवरी से होने वाली है। ऐसे में बीजेपी ने इस विस्तार के जरिए नीतीश सरकार को और मजबूती दी है। कैबिनेट का विस्तार इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि राज्य में इस साल के अंत में चुनाव होने हैं। नीतीश कैबिनेट में बीजेपी के ये सभी विधायक मंत्री बनकर शामिल हुए। मंत्री पद की शपथ लेने वालों में दरभंगा के विधायक संजय सरावगी, बिहारशरीफ से विधायक सुनील कुमार, जाले के विधायक जीवेश मिश्रा, साहेबगंज के विधायक राजू कुमार सिंह, रिगा विधायक मोती लाल प्रसाद, विजय कुमार मंडल और कृष्ण कुमार मंटू हैं। जीवेश मिश्रा और संजय सरावगी ने मिथिला पाग पहनकर मंत्री पद की शपथ लेने राजभवन पहुंचे। दोनों विधायकों ने मैथिली भाषा में शपथ ग्रहण किया है। राज्यपाल आरिफ मोहम्द खान ने सभी विधायकों को शाम 4 बजे से मंत्री पद की शपथ दिलाई। आपको बता दें कि इससे पहले बिहार बीजेपी अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने अपनी पार्टी की एक व्यक्ति, एक पद की नीति के अनुरूप बुधवार सुबह नीतीश कुमार कैबिनेट से इस्तीफा दे दिया। मौजूदा समय में बिहार सरकार में 30 मंत्री हैं। इसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और 2 डिप्टी सीएम शामिल हैं। कैबिनेट में अधिकतम 36 मंत्री हो सकते हैं। कैबिनेट विस्तार से पहले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया।

आम आदमी पार्टी ने अटकलों को किया खारिज

राज्यसभा नहीं जाएंगे अरविंद केजरीवाल

ईएमएस

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के राज्यसभा में जाने की अटकलों पर पार्टी ने स्थिति स्पष्ट कर दी है। ।।च् प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने साफ शब्दों में कहा कि केजरीवाल राज्यसभा नहीं जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया में इस तरह की खबरें गलत हैं और अरविंद केजरीवाल किसी एक पद या सीट तक सीमित नहीं हैं।

आम आदमी पार्टी की प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा, की पहले मीडिया सूत्र कह रहे थे कि अरविंद केजरीवाल पंजाब के मुख्यमंत्री बनेंगे, अब कहा जा रहा है कि वह राज्यसभा जाएंगे। ये दोनों ही अटकलें गलत हैं। अरविंद केजरीवाल आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक हैं, और उनकी भूमिका सिर्फ एक सीट तक सीमित नहीं हो सकती।

हाल ही में आप के राज्यसभा सांसद संजीव अरोड़ा के पंजाब उपचुनाव लड़ने की खबरों के बाद यह कयास लगाए जाने लगे कि उनकी जगह अरविंद केजरीवाल राज्यसभा जा सकते हैं। इस चर्चा को तब और बल मिला जब दिल्ली में सत्ता गंवाने और अपनी सीट हारने के बाद केजरीवाल के भविष्य की राजनीति पर अटकलें तेज हो गईं।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अगर अरविंद केजरीवाल राज्यसभा जाते, तो यह आप के लिए एक नई रणनीति हो सकती थी। इससे केजरीवाल संसद में सरकार को घेरने का एक नया मंच हासिल कर सकते थे। हालांकि, पार्टी की प्रतिक्रिया से साफ हो गया है कि वह सड़क की राजनीति और संगठनात्मक नेतृत्व को ही प्राथमिकता दे रहे हैं।

केजरीवाल के राज्यसभा में नहीं जाने की घोषणा से यह भी साफ होता है कि वह अभी भी दिल्ली और राष्ट्रीय राजनीति में सक्रिय बने रहेंगे। आप इस समय दिल्ली, पंजाब और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी स्थिति मजबूत करने में लगी है। पार्टी आगामी लोकसभा चुनावों के लिए भी रणनीति बना रही है, जिसमें केजरीवाल की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

अफ्रीका-जापान संग पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी बनाने को प्रतिबद्ध भारत : जयशंकर

आरएनएस

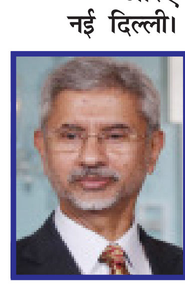

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को अफ्रीका और जापान के साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी बनाने के लिए भारत की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता पर जोर दिया। जापान-भारत-अफ्रीका व्यापार मंच में बोलते हुए, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत और जापान अफ्रीका के सतत और समावेशी विकास का समर्थन करने के लिए अच्छी स्थिति में हैं।

विदेश मंत्री ने कहा कि अफ्रीका के साथ भारत का जुड़ाव दीर्घकालिक, स्थायी साझेदारी पर आधारित है। उन्होंने कहा, अफ्रीका के प्रति भारत का दृष्टिकोण हमेशा से ही दीर्घकालिक पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी बनाने की गहरी प्रतिबद्धता से प्रेरित रहा है। शोषणकारी मॉडलों के विपरीत, भारत क्षमता निर्माण, कौशल विकास और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण में विश्वास करता है और चाहता है कि अफ्रीकी देश न केवल निवेश से लाभान्वित हों, बल्कि आत्मनिर्भर विकास हासिल कर सकें।

जयशंकर ने भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम, पैन अफ्रीकी ई-नेटवर्क परियोजना और उच्च प्रभाव सामुदायिक विकास परियोजनाओं (एचआईसीडीपी) जैसी प्रमुख पहलों की ओर इशारा किया, जिन्होंने अफ्रीका की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत किया।

श्रद्धालुओं ने लगाई गंगा में आस्था की डुबकी

हरिद्वार। हरकी पौड़ी पर तड़के से ही श्रद्धालु मां गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर शिवालयों में जलाभिषेक करते दिखे। देश के अन्य राज्यों से आए श्रद्धालु हरकी पैड़ी पर मां गंगा में डुबकी लगाने के साथ ही दान पुण्य करते दिखे। सुबह से ही हरकी पैड़ी ब्रह्मकुंड पर श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। कई शिवभक्त गंगाजल भर अपने स्थानीय शिवालयों के लिए बाइक और अन्य वाहनों के माध्यम से जाते दिखे।

वहीं दूसरी ओर महाशिवरात्रि पर हरिद्वार-दिल्ली हाईवे पर गंगा स्नान को आने वाले श्रद्धालुओं के वाहनों की भीड़ के चलते लंबा जाम लगा। इसके साथ ही हरिद्वार आने वाले वाहनों के कारण सभी पार्किंगें फुल हो चुकी थी। यातायात व्यवस्था सुचारु करने के लिए ट्रैफिक पुलिस के अलावा थाने और कोतवाली पुलिस भी सड़क पर उतर गई। सबसे अधिक भीड़ शंकराचार्य चौक से लेकर पंतद्वीप तक रही। सुबह नौ बजे से लेकर दोपहर तीन बजे के बाद तक वाहनों की संख्या अधिक होने के कारण वाहन रेंग रेंगकर चलते रहे। वहीं जाम के कारण यात्री श्रद्धालुओं के अलावा स्थानीय निवासियों को भी भारी दिक्कत उठानी पड़ी। महाशिवरात्रि से एक दिन पहले ही हरिद्वार में लाखों की भीड़ पहुंच गई थी। बुध वार को दिन भर यात्रियों के हरिद्वार पहुंचने का सिलसिला चलता रहा। जिससे धर्मनगरी पूरी तरह पैक हो गई। हरकी पैड़ी के आस पास अपर रोड, मोती बाजार, बड़ा बाजार, खड़खड़ी जैसे इलाकों में जाम के हालात बने रहे। ट्रैफिक पुलिस के अलावा शहर कोतवाली पुलिस ने भी ट्रैफिक को सुचारू किया।

पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने किया मंडल अध्यक्षों का स्वागत

सभी को मिल रहा सरकार की योजनाओं का लाभ

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने हरिद्वार ग्रामीण क्षेत्र के चारों भाजपा मंडल अध्यक्षों का स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार करते हुए पार्टी की मजबूती के लिए सभी वर्ग के लोगों को जोड़ने का आह्वान भी किया। उन्होंने कहा कि नई टीम ऊर्जावान एवं सभी के साथ सामंजस्य बनाकर काम करेंगी।

बुधवार को वेद मंदिर आश्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद के नेतृत्व में जमालपुर कलां मंडल के अध्यक्ष विवेक चौहान एवं प्रतिनिधि प्रणव यादव, भोगपुर पंचपुरी के मंडलाध्यक्ष सुशील पंवार एवं प्रतिनिधि जितेंद्र सैनी,

आदर्श टिहरी नगर के मंडलाध्यक्ष राकेश सैनी एवं हुक्कम सिंह रावत, लालढांग के मंडल अध्यक्ष विक्रम सिंह चौहान एवं प्रतिनिधि सीमा चौहान का फूलमाला पहनाकर किया। उन्होंने कहा कि प्रध ानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश और प्रदेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सभी वर्ग को सरकार की नीतियों का लाभ मिल रहा है। मूलभूत सुविधाओं के लिए हर क्षेत्र में काम हो रहे हैं। उन्होने कहा कि हर गांव में जल जीवन मिशन से घर-घर पानी देने का काम हो या स्वास्थ्य योजना से सभी को निशुल्क इलाज देने का काम बड़े स्तर पर किया जा रहा है। गांवों में घर का अधिकार स्वामित्व योजना से देने और किसानों को साल में 6 हजार रुपये एवं कीटनाशकों, उपकरण एवं बीजों पर सब्सिडी देकर उन्हें आगे बढ़ाने का काम किया जा रहा है। सभी मंडल अध्यक्षों ने पार्टी के कार्यों को आगे बढ़ाने के साथ सभी से सामंजस्य बनाकर काम करने को आश्वस्त किया। उन्होंने जिम्मेदारी मिलने पर सभी पदाधिकारियों के साथ प्रदेश नेतृत्व एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार जताया।

राजकीय महाविद्यालय को भवन निर्माण के लिए नि:शुल्क भूमि देने की मांग

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। वार्ड 3 से नगर निगम पार्षद सूर्यकान्त शर्मा ने नगर विधायक मदन कौशिक को ज्ञापन देकर नगर निगम बोर्ड द्वारा पूर्व में प्रस्तावित राजकीय महाविद्यालय भूपतवाला को नि:शुल्क उपलब्ध कराए जाने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार पार्षद सूर्यकांत शर्मा ने कहा कि राजकीय महाविद्यालय भूपतवाला शहर का पहला राजकीय महाविद्यालय है। महाविद्यालय वर्तमान में श्री मोहनानन्द आश्रम भीमगोड़ा के पांच कमरो में अस्थायी रूप से संचालित हो रहा है। वार्ड 3 दुर्गा नगर के अन्तर्गत पावन धाम के निकट नगर निगम की खाली पड़ी भूमि महाविद्यालय के स्थायी भवन निर्माण के लिए देने के लिए 11 जुलाई 2022 को हुई नगर निगम बोर्ड बैठक में प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया था। जिसमें राजकीय महाविद्यालय हेतु भूमि नि:शुल्क उपलब्ध कराये जाने की मांग की गयी थी। लेकिन त्रुटिवश प्रस्ताव में नि:शुल्क भूमि आवंटन का जिक्र नहीं आया। जिसके कारण अभी तक राजकीय महाविद्यालय को भूमि आवंटित नहीं हो पाई है। जिससे महाविद्यालय में अध्यनरत् छात्र-छात्राओ को तमाम समस्याओ का सामना करना पड़ रहा है। सूर्यकांत शर्मा ने आगामी बोर्ड बैठक में उक्त भूमि राजकीय महाविद्यालय को नि:शुल्क उपलब्ध कराये जाने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने की मांग की है।

गौवंशों की तस्करी, पुलिस ने बरामद किए चार गौवंश

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। सुमननगर से कलियर जाने वाले रोड से चार गौवंशों को ले जा रहा लोडर वाहन चालक पुलिस की चेकिंग को देखकर भाग निकला। मौके पर छोड़े गए वाहन से चार गौवंश बरामद हुए।

रानीपुर कोतवाली प्रभारी कमल मोहन भंडारी ने बताया कि उत्तराखंड गौ संरक्षण स्क्वायड की टीम सुमननगर-कलियर रोड पर गश्त कर रही थी। इस बीच मुखबिर से सूचना मिली कि एक नीले रंग के लोडर वाहन में गौवंशों को भरकर बुरी तरह भरकर ले जाया जा रहा है। पुलिस टीम ने वाहन की तलाश शुरू की और जब वाहन को रोकना चाहा, तो चालक ने स्पीड तेज कर दी और भागने लगा। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

वहीं दूसरी ओर ज्वालापुर पुलिस ने चमोली से लापता महिला को बरामद कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। महिला बीते मंगलवार को लापता हुई थी। कोतवाली प्रभारी प्रदीप बिष्ट ने बताया कि चमोली से परिजनों से नाराज होकर हरिद्वार आई 33 वर्षीय महेश्वरी देवी पत्नी पुष्कर कोठियाल को सकुशल बरामद कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। महिला मानसिक रूप से तनाव में लग रही थी। महिला उप निरीक्षक सोनम रावत और हेड कांस्टेबल कमल चौहान ने महेश्वरी देवी के संबंध में सोशल मीडिया से जानकारी लेकर के परिजनों को संपर्क किया। महेश्वरी देवी के परिजनों ने पुलिस की प्रशंसा की।

सूक्ष्म आराधना और जलाभिषेक से ही प्रसन्न हो जाते हैं भगवान शिव

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। राष्ट्र की एकता अखण्डता व सुख समृद्धि की कामना को लेकर शिवमूर्ति व्यापार मंडल एवं श्री अखण्ड परशुराम अखाड़े के संयुक्त तत्वाधान में शिवमूर्ति पर पूर्ण विधि विधान से भगवान शिव की पूजा अर्चना कर जलाभिषेक किया गया और श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर श्री अखण्ड परशुराम अखाड़े के अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक ने कहा कि सूक्ष्म आराधना और जलाभिषेक से ही प्रसन्न होने वाले भगवान शिव भक्तों को मनोवांछित फल प्रदान करते हैं। राष्ट्र की एकता अखण्डता के लिए सभी को मिलजुल कर प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि पर्व भगवान शिव को समर्पित है। भगवान शिव के नाम का सिमरन अवश्य करें। शिव कृपा से परिवारों के संकट दूर होते हैं और सुख समृद्धि का वास होता है। पंडित

अधीर कौशिक ने कहा कि सनातन परंपराओं का निर्वहन करते हुए सनातन संस्कृति का प्रचार प्रसार करने की आवश्यकता है। युवा पीढ़ी को पाश्चातय संस्कृति के स्थान पर सनातन धर्म संस्कृति को अपनाना चाहिए। नशे से दूर रहने का संकल्प लेना चाहिए। विश्व शांति की कामना करते हुए राज्य की प्रगति में अपना योगदान दें। श्री अखंड परशुराम अखाड़े के अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक ने कहा कि कुंभ को सकुशल संपन्न कराने के लिए शासन प्रशासन को कुंभ मेला भूमि को कब्जा मुक्त करना चाहिए। कुंभ मेले की दिव्य भव्यता के लिए सभी को मिलजुल कर प्रयास करने होंगे। इस अवसर पर अमित ननकानी, राकेश, राजूराम, हरिश्चंद्र, प्रदीप बंसल, चंद्रप्रकाश, संजय गुप्ता, विदेश अग्रवाल, वीरेंद्र अरोड़ा, कुलदीप शर्मा, पूर्व पार्षद राजीव भार्गव, आशीष बिश्नोई, भूवेश शर्मा आदि ने जलाभिषेक एवं भगवान शिव का श्रृंगार एवं आरती की।

वहीं महाशिवरात्रि के अवसर पर गायत्री परिवार प्रमुख डा.प्रणव पण्ड्या एवं शैलदीदी ने सर्वे भवन्तु सुखिन: भाव से भगवान शिव का महाभिषेक किया। उन्होंने रुद्राष्टकम्, पुरुष सूक्त व अन्य वैदिक कर्मकांड के साथ पूजन किया। डा.पण्ड्या ने कहा कि कई संयोग के साथ महाशिवरात्रि का पर्व मनाया गया। भावपूर्ण पूजन से मनुष्य के भीतर की संभावनाएं जाग्रत होती हैं। विवि की संरक्षिका शैलदीदी ने कहा कि स्वयं कम से कम साधनों से काम चलाते हुए दूसरों को बहुमूल्य उपहार का दान देना एवं ऐसे कृत्यों से मन को प्रफुल्लित रखना शिव के प्रमुख गुण हैं।

शिवरात्रि पर निकाली शिव बारात

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। महाशिवरात्रि पर भगवान शिव की ससुराल कनखल स्थित श्री तिलभाण्डेश्वर महादेव मंदिर से शिव बारात का आयोजन किया गया। शिव बारात में पारंपरिक संस्कृति की झलक देखने को मिली। नगर के मुख्य मार्गों से आरम्भ हुई शिव बारात शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई वापस मंदिर प्रागंण पहुंचकर सम्पन्न हुई। शिव बारात में भगवान शिव के गणों की झांकी विशेष आकर्षण का केन्द्र रही। गुरुवार को शिव बारात का शुभारम्भ मंदिर के श्रीमहंत त्रिवेणी दास महाराज ने विधि वत पूजा-अर्चना के साथ किया। शोभा यात्रा के दौरान कई पारंपरिक झांकियां निकाली गई, जिसमें भगवान शिव के गणों की झांकी विशेष आकर्षण का केन्द्र रही। भगवान शिव की बारात में भूत, प्रेत, पिशाच आदि

शमिल हुए। शिव बारात का जगह-जगह लोगों ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इस अवसर पर अपना आशीर्वचन देते हुए मंदिर के श्रीमहंत त्रिवेणी दास महाराज ने कहा कि सदियों पूर्व भगवान शिव की बारात इसी कनखल नगरी में राजा दक्ष के यहां आई थी। शिवरात्रि भगवान के मंगल विवाह का दिन है। इसी लिए प्रतिवर्ष मंदिर की ओर से शिव बारात का आयोजन किया जाता है। वहीं मंदिर में चल रहे विश्व शांति महायज्ञ के दूसरे दिन की पूजा-अर्चना आरम्भ की गई। श्रीमहंत त्रिवेणी दास महाराज ने बताया कि गुरुवार को विश्वशांति यज्ञ की पूर्णाहुति की जाएगी। इस दौरान प्रात: गणेश पूजन, भगवान शिव का विशेष श्रृंगार व अभिषेक किया जाएगा। संत सममेलन व विशाल भण्डारे का साथ यज्ञ की पूर्णाहुति होगी।

महाशिवरात्रि पर पंचायती धड़ा फिराहेड़ियान ने की मां गंगा की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा

सदैव फलदायी होती है मां गंगा व भगवान शिव की आराधना

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। महाशिविरात्रि के अवसर पर पंचायती धड़ा फिराहेडियान द्वारा ज्वालापुर स्थित गुघाल मंदिर में मां गंगा की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गयी। कार्यक्रम में तीर्थ पुरोहित शामिल हुए और पूर्ण विधि विधान से मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न कराया।

तीर्थ पुरोहित सचिन कौशिक व उमाशंकर वशिष्ठ ने कहा कि मां गंगा एवं भगवान शिव की आराधना अवश्य सदैव फलदायी होती है। मां गंगा करोड़ों भक्तों की आस्था का केंद्र है। धर्मनगरी हरिद्वार की पहचान भी मां गंगा से ही है। शिव गंगा मंदिर में मां गंगा की मूर्ति स्थापित होने से भक्तों को दर्शन पूजन का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि सामाजिक दायित्व को निभाते हुए तीर्थ पुरोहित समाज की और से बृहष्पतिवार को मंदिर

में आठ निर्धन कन्याओं का विवाह संपन्न कराया जाएगा। तीर्थ पुरोहित समाज की और से कन्याओं को आशीर्वाद के साथ घरेलू जरूरत का सभी सामान व उपहार भेंट किए जाएंगे। इस अवसर पर मोनू चकलान, सचिन कौशिक, अमित कौशिक, सुध ीर श्रोत्रिय, उमाशंकर वशिष्ठ, चिराग वशिष्ठ, कृष्ण कौशिक, शिवम अधिकारी, अंकित गोस्वामी, वासुदेव मिश्रा, सोनू सरायवाले, सौरभ सिखोला, विपुल, प्रदीप निगारे आदि शामिल रहे।

पुलिस और सीआईयू टीम ने मुठभेड़ के बाद दबोचा पचास हजार का ईनामी

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। रानीपुर कोतवाली पुलिस और सीआईयू टीम ने फरार चल रहे पचास हजार के ईनामी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। होमगार्ड पर जानलेवा हमला करने का आरोपी रानीपुर कोतवाली का हिस्ट्रीशीटर और प्रवीण वाल्मीकि गैंग का गुर्गा है। उस पर डेढ़ दर्जन से ज्यादा मुकद्मे दर्ज हैं। देर रात चोरी छिपे परिवार वालों से मिलने आने की सूचना पर उसकी तलाश में जुटी पुलिस और सीआईयू टीम से मुठभेड़ के दौरान पैर में गोली लगने से घायल हो गया।

गिरफ्तार आरोपी साबिर पुत्र आरिफ निवासी अहबाब नगर विष्णुलोक कालोनी व अंशुल पुत्र खेम सिह निवासी ग्राम भागूवाला चमरिया थाना-मण्डावली जनपद बिजनौर उ.प्र. हाल निवासी बकरा मार्केट मोहल्ला कडच्छ ज्वालापुर 14-15 अक्टूबर की रात ई

रिक्शा चोरी कर ले रहे थे। इसी दौरान शिवालिक नगर के जेकेटी कलस्टर में गश्त कर रहे हेडकांस्टेबल कुन्दन सिंह व होमगार्ड विक्रम सिंह द्वारा रोककर पूछताछ किए जाने पर दोनों उन पर हमला कर मोबाईल लूटकर फरार हो गया था। बाद में पुलिस ने अंशुल को गिरफ्तार कर जेल भेजा दिया था। जबकि साबिर लगातार फरार चल रहा था। उस पर 50 हजार रूपए का ईनाम घोषित किया गया था। उसकी तलाश में जुटी रानीपुर पुलिस व सीआईयू टीम को उसके देर रात अपने परिवार से मिलने आने की सूचना मिली। जिस पर प्रभारी निरीक्षक रानीपुर एवं सीआईयू टीम ने शिवालिक नगर मिलिट्री फार्म के पास मिलिट्री फार्म के फील्ड में झाडियों तथा पेडों की आड लेकर कच्चे रास्ते पर बदमाश के आने का इन्तजार करने लगी। कुछ देर के बाद साबिर स्कूटी से आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रूकने को कहा तो वह स्कूटी वापस मोडकर भागने लगा। पुलिस के पीछा करने पर वह स्कूटी छोडकर झाडियो में घुसकर पुलिस पर फायर करने लगा। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। पुलिस टीम में रानीपुर कोतवाली प्रभारी कमल मोहन भंडारी, एसएसआई मनोहर सिंह रावत, एसआई विकास रावत, एएसआई सुबोध घिल्डियाल, हेडकांस्टेबल गोपीचंद, कांस्टेबल नरेंद्र राणा, अमित राणा, करण तोमर, दीप गौड़, सीआईयू निरीक्षक नरेंद्र सिंह बिष्ट, एसआई घ्ऋतुराज सिंह, हेडकांस्टेबल विवेक यादव, मनोज कुमार, कांस्टेबल उमेश, हरवीर, वसीम, नरेंद्र शामिल रहे।

शांतरशाह सामूहिक दुष्कर्म व हत्या मामले में

मृतका की मां से लाखों की ठगी के मामले में कथित भीम आर्मी नेता के खिलाफ मुकद्मा दर्ज

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। थाना बहादराबाद क्षेत्रान्तर्गत बहुचर्चित शांतरशाह सामूहिक दुष्कर्म व हत्या प्रकरण में पीडित परिवार को न्याय दिलाने के नाम पर मृतका की मां से लाखों की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। मृतका की मां ने थाना पुलिस को तहरीर देकर कथित भीम आर्मी नेता के खिलाफ धोखाध ड़ी का मामला दर्ज कराया है। पुलिस न प्रभावी धाराओं में मुकद्मा दर्ज कर विवेचना शुरू करते हुए उसकी तलाश शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस को दी तहरीर में मृतका की मां ने सरकार की तरफ से मिली सहायता राशि में से आरोपियों को सजा दिलाने के नाम पर 3 लाख 20 हजार रूपए ठग लिए जाने का आरोप लगाया है। एसएसपी के निर्देश पर प्रभावी धाराओं में मुकद्मा दर्ज करने के साथ पुलिस ने कथित भीम आर्मी नेता की तलाश शुरू कर दी है।

बीते वर्ष 24 जून को थाना बहादराबाद के शांतरशाह क्षेत्र में एक युवती का शव मिला था। जिसकी पहचान शांतरशाह निवासी 13 वर्षीय नाबालिग के रूप में हुई थी। पुलिस ने नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म व हत्या मामले में नाबालिग के प्रेमी सहित 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। प्रकरण में पुलिस व प्रशासन के प्रयासों से सरकार द्वारा मृतका की मां को करीब 8 लाख रुपये का अनुदान मुआवजा दिया गया था। इस बात की भनक लगते ही कई लालची तत्वों की नजर वादिया को प्राप्त रकम पर थी। उत्पीड़न का शिकार हुई मृतका की मां ने मंगलवार को थाना बहादराबाद पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि मुआवजे की राशि मिलने के बाद नीरज पुत्र स्वर्गीय दयावान निवासी बहादरपुर सैनी हरिद्वार ने मामले से जुड़े आरोपियों को कड़ी सजा दिलाने का भरोसा दिलाकर 3,20,000 रूपए ठग लिए। जब रुपये वापस मांगे तो आरोपी धमकी देने लगा। शिकायत पर पुलिस ने कथित आरोपी नेता के खिलाफ प्रभावी धाराओं में मुकद्मा दर्ज कर विवेचना शुरू करते हुए उसकी तलाश शुरू कर दी है।

कांवड़ियों को पीटने पर आईआईटी प्रोफेसर समेत दो गिरफ्तार

रुड़की। हरिद्वार से जल लेकर मंगलवार रात को अपने गंतव्य की ओर जा रहे कांवड़ियों के साथ आईआईटी गेट के पास संस्थान के एक प्रोफेसर और जिम ट्रेनर ने अभद्र व्यवहार करने के साथ मारपीट भी की। इसके बाद कांवड़ियों ने सिविल लाइन कोतवाली में शिकायत की।

पुलिस ने बुधवार को त्वरित कार्रवाई करते हुए आईआईटी के प्रोफेसर समेत दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। सिविल लाइन कोतवाली के प्रभारी प्रशिक्षु आईपीएस कुश मिश्रा ने बताया कि मंगलवार रात कुछ कांवड़िये हरिद्वार से जल लेकर अपने गंतव्य की ओर जा रहे थे। आईआईटी गेट के पास उन्होंने एक कार को इशारा करते हुए रोकने को कहा। आरोप है कि कार चालक ने कार नहीं रोकी और कांवड़ को खंडित करने का प्रयास किया।

भाजपा जिला कार्यालय पर नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों का स्वागत

जिला अध्यक्ष शोभाराम प्रजापति व विधायक प्रदीप बत्रा ने दी शुभकामनाएं

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। भाजपा जिला कार्यालय पर नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों का स्वागत जिला अध्यक्ष शोभाराम प्रजापति और विधायक प्रदीप बत्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों को फूलमाला व मिष्ठान खिलाकर बधाई दी। उन्हें अपने नए पद की जिम्मेदारियों को निभाने के लिए प्रेरित किया।

जिला अध्यक्ष शोभाराम प्रजापति ने नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों को संबोधित करते हुए कहा कि मंडल अध्यक्ष का पद सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों को अपने क्षेत्र में भाजपा की नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करना होगा और पार्टी के विचारों को आमजन तक पहुंचाना होगा ।विधायक प्रदीप बत्रा ने भी नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों को बधाई दी और उन्हें अपने नए पद

की जिम्मेदारियों को निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों को अपने क्षेत्र के लोगों की समस्याओं का समाधान कराना होगा। नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों ने भी अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि वे अपने नए पद की जिम्मेदारियों को निभाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उन्होंने कहा कि वे अपने क्षेत्र में भाजपा की नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करने के लिए काम करेंगे और पार्टी के विचारों को आमजन तक पहुंचाने के लिए प्रयास करेंगे। इस अवसर पर मंडल अध्यक्षों में बृजमोहन सैनी, सुमित अग्रवाल, अवनीश शर्मा, गुरविंदर प्रधान, संदीप पुरी, विकास पाल, शोभित गौतम, आशीष कुमार, भूपेंद्र सैनी, सुरेश सैनी, संदीप रघुवंशी, राजीव राणा, अमित सोनकर, अवनीश त्यागी, आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में भाजपा नेता ललित मोहन अग्रवाल, सुशील त्यागी, पवन तोमर, जिला महामंत्री प्रवीण संधू ,अरविंद गौतम, आशुतोष सिंह, भीम सिंह, प्रदीप पाल, सावित्री मंगला, सतीश सैनी ,सौरव गुप्ता, चतरसेन, कोषाध्यक्ष नितिन गोयल, पंकज नंदा, विकास प्रजापति, अक्षय प्रताप सिंह, दिनेश कौशिक, सुबोध शर्मा, आदर्श गुप्ता, मुकेश, अरविंद गोयल, योगेंद्र चौधरी, तेजपाल सिंह, कृष्णपाल आदि उपस्थित रहे।

गंगनहर में कूदते हुए रील बनाने पर युवक गिरफ्तार

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। धनौरी में गाड़ी से स्टंट करना और गंगनहर में कूदते हुए रील बनाने की वीडियो वायरल होने पर पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने युवक की गाड़ी सीज करने के साथ उसका चालान भी कर दिया है।

पुलिस को सोशल मीडिया में एक रील वायरल होती मिली, जिसमें एक युवक गाड़ी पर स्टंट कर रहा है। साथ ही गंगनहर में कूदते हुए वीडियो बना रहा था। कलियर गंगनहर पुल से नहर में कूदते युवक की वायरल रील का संज्ञान लेते हुए कलियर पुलिस ने बिलाल निवासी हथिनीकुंड यमुनानगर का पुलिस अधिनियम में चालान कर दिया। साथ ही युवक जिस गाड़ी से स्टंट कर रहा था उसे भी पुलिस ने सीज कर दिया है। धनौरी चौकी प्रभारी हेमदत्त भारद्वाज ने जनता से अपील की है कि सेल्फी, रील आदि के लिए जान जोखिम में न डालें।

गर्भवती से मारपीट करने के चार आरोपियों पर केस दर्ज- गर्भवती महिला और उसके पति के साथ मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। रहमतपुर निवासी तोसीन ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि इसी 22 फरवरी को वह अपनी गर्भवती पत्नी को लेकर रुड़की अस्पताल में जा रहा था। जैसे ही वह गांव के बाहर पहुंचा तो वहां दो व्यक्तियों ने रास्ते में अपनी बाइक खड़ी की हुई थी। उसने रास्ते से बाइक हटाने को कहा तो दोनों व्यक्तियों ने उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी। वही मौके पर उनके दो और अन्य साथी भी वहां पहुंच गए।

महाशिवरात्रि पर शिवालयों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। महाशिवरात्रि के अवसर पर नगर के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। शिव मंदिर शिव के जयकारों से गूंजते नजर आए। विधायक प्रदीप बत्रा ने सिविल लाइंस शिव मंदिर के बाहर लोगों को खीर का प्रसाद वितरित किया।

जानकारी के अनुसार महाशिवरात्रि के अवसर पर नगर के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। महाशिवरात्रि के अवसर पर आज सुबह करीब चार बजे से ही शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई। शिव मंदिर में शिव के जयकारों के साथ श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। नगर के सिविल लाइंस स्थित सिद्धेश्वर महादेव मंदिर, पहाड़ी बाजार स्थित मंदिर, शिव चौक शिव मंदिर,रेलवे स्टेशन शिव मंदिर, पंचशील मंदिर, राम मंदिर

रामनगर, जीवन दीप आश्रम, नीलेश्वर महादेव आवास विकास समेत अन्य मंदिरों में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक किया। इसके साथ ही भजनों पर भी श्रद्धालु झूमते नजर आए। विधायक ने बांटा प्रसाद....रुड़की विधायक प्रदीप बत्रा ने सिविल लाइंस स्थित शिव मंदिर के बाहर खीर का प्रसाद वितरित किया। उन्होंने सभी को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि सभी पर भगवान शिव का आशीर्वाद बना रहे और सभी के घरों में सुख शांति और समृद्धि बनी रहे।

वहीं कलियर क्षेत्र के इमलीखेड़ा प्राचीन शिव मंदिर और महमूदपुर में भगवान शंकर कर्णधाम में बुधवार को महाशिवरात्रि पर श्रद्धालुओं ने हरिद्वार से गंगाजल लाकर जलाभिषेक किया। शिवभक्त गंगाजल लेने हरिद्वार पहुंचे। वहां से गंगाजल लेकर शिव भक्तों ने पहले महामृत्युंजय मंत्र के साथ हवन पूजन किया। इसके बाद शिव का बेलपत्रों, फूलों, फल, पंचामृत और गंगाजल से अभिषेक किया। इमलीखेड़ा नगर पंचायत के नवनियुक्त अध्यक्ष मनोज सैनी ने भी सभी शिवभक्तों के साथ जलाभिषेक किया। नगर पंचायत इमलीखेड़ा के नगर पंचायत अध्यक्ष मनोज सैनी ने कहा कि इमलीखेड़ा प्राचीन शिव मंदिर के जीर्णोद्धार, सौंदर्यीकरण और चाहरदिवारी के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। शासन से स्वीकृति मिलने के बाद कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

कलियर की जामा मस्जिद में नमाज पढ़ाने के लिए इमाम की खोजबीन शुरू

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। दरगाह साबिर पाक की साबरी जामा मस्जिद में नमाज पढ़ाने के लिए इमाम और अजान देने के लिए मुअज्जन की खोजबीन शुरू की गई है। वक्फ दरगाह पिरान कलियर कार्यालय ने आवेदकों के लिए 30 से 35 वर्ष की उम्र निर्धारित कर एक मार्च-2025 की पहली तारीख तक आवेदन मांगे हैं।

पेश इमाम हाफिज अब्दुल वाहिद की उम्र ज्यादा और बीमार होने के बाद पिछले कई वर्ष से जामा मस्जिद में इमामत का पद खाली चल रहा है। उनकी गैर मौजूदगी में उनका बेटा सऊद साबरी इमामत कर रहा है। इसी तरह मुअज्जन अब्दुस्सलाम के जनवरी माह में निधन होने से यह पद भी खाली है। इन पदों को भरने के लिए ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आशीष कुमार मिश्रा ने एक विज्ञप्ति जारी की है। उन्होने इसमें इमाम के लिए खानाकाही अकीदे से ताल्लुक रखने वाले हाफिज, कारी, आलिम, फाजिल एवं मुफती की सनद पाने वाले आवेदकों से आवेदन मांगे हैं।इमाम के लिए यूपी एवं उत्तराखंड बोर्ड से 10वीं या 12वीं उत्तीर्ण होना जरूरी होगा।जबकि मुअज्जन के लिए हाफिज व कारी की शैक्षिक योग्यता के साथ आवाज अच्छी होना लाजमी है। आवेदनकर्ता को अपने अभिलेखों की प्रतिलिपियां एक मार्च तक दोपहर 3 बजे तक डाक अथवा व्यक्तिगत माध्यम से दरगाह कार्यालय पिरान कलियर में जमा कराने होंगे। आवेदनकर्ता को जरूरत के मुताबिक हिंदी, इंग्लिश व उर्दू का ज्ञान होना भी जरूरी है।वहीं स्थानीय लोगों और जायरिनों का कहना है कि दरगाह साबिर पाक की साबरी जामा मस्जिद में आलिम और मुफ्ती रेंक का ईमाम होना जरूरी हैं।

अधिवक्ता पर ट्रैक्टर चढ़ाकर मारने की कोशिश की

रुड़की। लक्सर गांव निवासी अधिवक्ता अंकुर चौधरी पुत्र श्याम सिंह ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि गांव के खड्ग सिंह का परिवार उनसे रंजिश रखता है। 24 फरवरी को अंकुर चौधरी पड़ोस में विजयपाल के घर में बैठे थे। तभी खड्ग सिंह, उसकी पत्नी रुक्मेश और बेटे अनमोल व प्रियांक ने वहां पहुंचकर उनसे मारपीट की। विजयपाल व उनके परिवार के लोगों ने अंकुर की जान बचाई। अंकुर ने इसकी तहरीर कोतवाली में दी, जिस पर पुलिस जांच के लिए आई थी। आरोप है कि इससे नाराज अनमोल व प्रियांक ने मंगलवार को अंकुर चौधरी की हत्या के इरादे से उनके ऊपर ट्रैक्टर चढ़ाने की कोशिश की। जिससे वे बाल बाल बच गए। तहरीर पर पुलिस चारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है।

किसानों ने इकबालपुर शुगर मिल पर दिया धरना

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। भारतीय किसान यूनियन रोड गुट ने अपनी मांगों को लेकर इकबालपुर शुगर मिल के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया और जमकर नारेबाजी की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बुधवार को इकबालपुर मिल के खिलाफ किसान धरने पर बैठ गए। इस मौके पर युवा प्रदेश अध्यक्ष सचिन टोडा ने कहा कि जब तक ठेकेदारों व मिल में कार्य करने वाले मजदूरों का भुगतान नही किया जाता तब तक धरना जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि धरना स्थल पर तहसीलदार रुड़की एवं तहसीलदार भगवानपुर भी मौके पर पहुँचे हैं उनके साथ यूनिट हेड

इकबालपुर और किसानों के बीच वार्ता हुई और उसमें समझौता हुआ की जब तक किसान मजदूर एवं ठेकेदारों का बकाया भुगतान नहीं होता जब तक मिल के अंदर रखी हुई चीनी एवं सिरा फैक्ट्री गेट से बाहर नहीं जाएगा। इस मौके जिला अध्यक्ष नाजिम अली, युवा जिला अध्यक्ष मुबारिक, राष्ट्रीय महासचिव विकास शर्मा, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप त्यागी, युवा प्रदेश उपाध्यक्ष मनोज पाल एवं भारी संख्या में किसान व मजदूर उपस्थित रहे।

फायर ब्रिगेड कर्मियों ने बचाई बेजुबान की जान

चाइनीज मांझे में पेड़ पर करीब 150 फिट ऊंचाई पर फंसा था बाज

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। करीब 150 फिट ऊंचे पेड़ की टहनी चाईनीज मांझे में फंसे बाज को फायर ब्रिगेड ने रेस्क्यू कर लिया।फायर ब्रिगेड कर्मियों के कारण एक बेजुबान की जान बच सकी। वहीं लोगों ने भी फायर ब्रिगेड की टीम की सराहना की।

मामला सिविल लाइंस स्थित सिंचाई विभाग कॉलोनी का है जहां खड़े एक पीपल के पेड़ में करीब 150 फिट ऊंचाई पर एक चील फंसा हुआ कुछ पत्रकारों के द्वारा देखा गया उनके द्वारा सूचना फायर ब्रिगेड को दी गई। तुरंत मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम फायरमैन अतर सिंह राणा के नेतृत्व में घटनास्थल निकट जादूगर रोड थाना क्षेत्र सिविल लाइन पहुंची। बाज चाइनीज मांझे में बुरी तरह

फंस गया था एवं उलझ गया था प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा बताया कि यह बाज पक्षी जीवन और मृत्यु के लिए संघर्ष कर रहा है फायर कर्मियों द्वारा तुरंत ही क्लाइंबिंग रोप के सहारे ऊपर चढ़कर अपनी जान जोखिम में डालकर अदम्य साहस का परिचय देकर 150 से 200 फीट ऊपर चढ़कर टहनी एवं माजे में फंसे पक्षी को टहनी को काटकर उक्त पक्षी को सकुशल नीचे उतारा एवं एक बेजुबान की प्राण बचाकर मानवता की एक बहुत बड़ी मिसाल पेश की। सकुशल रेस्क्यू उपरांत उक्त बाज पक्षी को वन कर्मियों के सपुर्द किया गया। मौके पर मौजूद मीडिया के बन्धुओं स्थानीय लोगों ने फायर यूनिट के उक्त जोखिमपूर्ण एवं सराहनीय कार्य की जमकर प्रशंसा की और बधाई भी दी एक बेजुबान पक्षी की जान बचाना अपने आप में बहुत बड़ी बात है।

रेस्क्यू टीम में लीडिंग फायरमैन अतर सिंह राणा चालक मोहन सिंह नेगी फायरमैन हरिश्चंद्र राणा फायरमैन शंकर कुमार आदि मौजूद रहे।

भाजपा नेता मयंक गुप्ता के आवास पर हुआ मंडल अध्यक्षों का स्वागत

पार्टी ने मजबूत हाथों में दी है संगठन की जिम्मेदारी

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। भाजपा डाटा प्रबंधन के प्रदेश संयोजक मयंक गुप्ता के आवास पर नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों का स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने मजबूत हाथों में संगठन की जिम्मेदारी दी है आने वाले समय में इसका लाभ संगठन को मिलेगा।

पूर्वी दीन दयाल कॉलोनी स्थित कैंप कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में सभी नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों का फूल मालाएं पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम संयोजक मयंक गुप्ता ने कहा कि पार्टी ने सभी कार्यकर्ताओं की राय के बाद योग्य और अनुभवी लोगों का चयन किया है। विश्वास है कि इनके नेतृत्व में मंडल मजबूती से कार्य करेंगे और इनके नेतृत्व

में पार्टी मजबूती से आगे बढ़ेगी। नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों में संदीप रघुवंशी, गुरजिंदर सिंह, आशीष कुमार, संदीप पुरी, सुरेश सैनी, बृजमोहन सैनी, अवनीश शर्मा, सुमित कुमार अग्रवाल, भगत सिंह, विकास पाल, शोभित गुप्ता आदि शामिल रहे।

इस अवसर पर सुशील त्यागी, प्रवीण संधू, रश्मि चौधरी, रोमा सैनी, प्रदीप पाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय त्यागी, अक्षय प्रताप सिंह, अभिनव, अवनीश त्यागी, अनुज त्यागी, सन्नी नारंग, संजय प्रजापति, विकास प्रजापति, संजय पाल, विक्रम गर्ग, पवन तोमर, पंकज नंदा आदि उपस्थित रहे।

प्रयास फाउंडेशन ट्रस्ट ने महाशिवरात्रि पर किया हवन-पूजन

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर प्रयास फाउंडेशन ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष विकास त्यागी के कार्यालय पर यज्ञ हवन कराकर विश्व कल्याण की प्रार्थना की गई। पंडित द्वारा सभी भक्तों को त्रिवेणी के गंगाजल से मंत्र उच्चारण के साथ गंगाजल छिड़ कर स्नान कराया गया।

विकास त्यागी ने कहा की महाशिवरात्रि का अपना विशेष महत्व है। आज ही के दिन प्रयागराज में स्नान पूर्ण हो जाएगा। जो श्रद्धालु प्रयागराज नहीं जा पाए, उनके लिए संगम से पवित्र गंगाजल लाया गया था, जिसका आज सभी को धर्म लाभ मिला है। न्यू नेहरू नगर समिति के अध्यक्ष राजपाल सिंह ने कहा हमें हमेशा धर्म कर्म के कार्य जीवन में करते रहना चाहिए। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर यज्ञ के माध्यम से ईश्वर को

याद करना बड़ा ही पुण्य और धर्म का कार्य है। यज्ञ से सभी प्राणियों का कल्याण होता है। कैलाश सुंदरलाल ने कहा प्रयास फाउंडेशन ट्रस्ट लगातार सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों का आयोजन करती रहती है। धार्मिक कर्मों से मनुष्य का आत्म बल मजबूत होता है। हमें हमेशा जन सेवा के कार्य करते रहना चाहिए। इस अवसर पर विजय कुमार सैनी, श्यामवीर सैनी, नरेश चौहान, आदेश कुमार त्यागी, विक्रांत पुंडीर, सतीश त्यागी, हार्दिक त्यागी, बीके सिंघल, आलोक शर्मा, सुनीता, श्रीमती सुषमा, अनुराधा त्यागी, पारुल त्यागी, पूजा त्यागी, उमा आदि उपस्थित रहे।

नौवें दिन भी क्रमिक अनशन पर डटे रहे ग्रामीण

संवाद सहयोगी

बागेश्वर। काफली-कमेड़ा मोटर मार्ग सुधार करने समेत विभिन्न मांगों को लेकर काफली कमेड़ा जन संघर्ष समिति का क्रमिक अनशन नौवें दिन भी जारी रहा। यहां हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि लोग शिवरात्रि का पर्व मना रहे हैं, लेकिन वह आंदोलन करने को मजबूर हैं। इसके लिए, शासन और प्रशासन जिम्मेदार है। बुधवार को समिति के बैनर तले ग्रामीण पंचायत भवन के पास एकत्रित हुए। यहां नारेबाजी के साथ तारा सिंह, धन सिंह, सरुली देवी, कमला देवी तथा बसंती देवी अनशन पर बैठे। यहां हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि उनके गांव को जोड़ने वाली सड़क बदहाल है। सड़क नहीं होने का दंश ग्रामीण रोज झेल रहे हैं। उनके गांव में न तो 108 एंबुलेंस पहुंच पा रही है और न ही गैस का वाहन। गैस सिलेंडर भराने में उन्हें सैकड़ों रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं, लेकिन विभाग सुनने को तैयार नहीं। ग्रामीणों ने इस बार आर-पार की लड़ाई का मन बना लिया है। इस मौके पर चामू सिंह देवली, नंदन सिंह दानू, प्रवीण सिंह, प्रताप सिंह खष्टी देवी, मानुली देवी, भजन सिंह, दुर्गा सिंह, प्रताप सिंह ग्रामीण मौजूद रहे।

वहीं केदारघाटी में आगामी तीर्थयात्रा को देखते हुए बेहतर पेयजल आपूर्ति बहाल करने के लिए जिला अधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देशों पर 28 फरवरी को बैठक आयोजित की जाएगी। सुबह 11 बजे से शुरू होने वाली बैठक गढ़वाल मंडल विकास भवन रामपुर में होगी। जल संस्थान के अधिशासी अभियंता अनीश पिल्लई ने बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशों पर इस महत्वपूर्ण बैठक को आयोजित किया गया है। बैठक में विशेष रूप से यात्रा मार्ग पर पेयजल आपूर्ति की स्थिति का आंकलन, संभावित जल संकट से निपटने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं, पेयजल स्रोतों की सफाई और मरम्मत,अतिरिक्त टैंकरों और ट्यूबवेल की व्यवस्था, के त्वरित समाधान की रूपरेखा पर चर्चा होगी।

लाटरी से 35 कास्तकारों को भूखंड आवंटित किए

नई टिहरी। टिहरी बांध परियोजना के तहत विभिन्न ग्रामों के 35 पात्र विस्थापित कास्तकारों को आवासीय भूखण्डों का लाटरी के माध्यम से आंवटन किया गया। डीएम मयूर दीक्षित की उपस्थिति में पुनर्वास निदेशालय में पात्र लोगों को 200 वर्ग मीटर के आवासीय भूखण्ड आंवटित किए गए। पर्चियों को निकालने के लिए उपस्थित कास्तकारों को ही बुलाया गया तथा उनके द्वारा ही पर्चियां निकाली गईं। लॉटरी के माध्यम से पुनर्वास के रिक्त आवासीय भूखंडों में से फूलसैणी, देहरादून में 2, भानियावाला अठूरवाला में 1 तथा घमण्डपुर रैनापुर ग्रान्ट रानीपोखरी, देहरादून में 33 आवासीय भूखण्ड आंवटित किए गए।

झारखंडेश्वर और बघौरा शिव मंदिर में उमड़ा भक्तों का रैला

रुद्रपुर। महाशिवरात्रि पर झारखंडेश्वर शिव मंदिर झाड़ी और बघौरा शिव मंदिर में तड़के से भक्तों की लम्बी कतारें लगी रहीं। हजारों भक्तों ने मंदिरों में भगवान भोलेनाथ की पूजा कर जलाभिषेक किया। वहीं झारखंडेश्वर शिव मंदिर परिसर में बुधवार को तीन दिवसीय मेला भी शुरू हो गया है। मंगलवार से ही पूरा क्षेत्र बाबा के जयकारों से गुंजायमान रहा। सितारगंज के मौनी बाबा मंदिर, सनातन धर्म मंदिर, प्राचीन भूमिया देवी मंदिर, रामेश्वर शिव मंदिर, दुर्गा ज्योति पीठ समेत नगर व ग्रामीण अंचलों में भक्तों की लम्बी कतारें लगी रहीं। सितारगंज व शक्तिफार्म के मंदिरों में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस व पीएसी की तैनाती की गई। मंदिर समिति की ओर से बाबा के दरबार को फूलों से सजाया गया है। झारखंडेश्वर मंदिर, बघौरा शिव मंदिर में मंगलवार मध्य रात्रि के बाद से हरिद्वार से डाक कांवड़ लेकर लौटे कावड़ियों के जत्थों ने जलाभिषेक किया। रातभर झाड़ी मंदिर और बघौरा मंदिर में शिव जागरण हुआ। बुधवार को भोले के भक्तों ने प्रसाद वितरण किया।

वहीं महाशिवरात्रि पर बुधवार को शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। दिनभर शिवालयों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। श्रद्धालुओं ने शिवालयों में जल चढ़ाकर सुख व शांति की कामना की। मंदिरों में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए थे। शहर के क्यूंकालेश्वर, लक्ष्मीनारायण मंदिर, गगवाडस्यूं घाटी के सिद्धपीठ देवलेश्वर महादेव मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही।

भगवान शिव के दर्शन करने पहुंची मां सुरकुंडा की डोली

रुद्रप्रयाग। कोटेश्वर मंदिर में ढालवाला ऋषिकेश की मां सुरकंडा की डोली भगवान शिव के दर्शनों के लिए पहुंची। इस दौरान वाद्य यंत्रों एवं भक्तों के जयकारों से क्षेत्र का माहौल भक्तिमय हो उठा। मंदिर परिसर पहुंचने पर डोली नृत्य कर भक्तों को अपना आशीर्वाद दिया। जिसके बाद डोली ने एक कक्ष में विश्राम किया। मां भगवती के उपासक अजय बिजल्वाण एवं मां की डोली से भक्तों ने आशीर्वाद लिया। इसके बाद मां सुरकंडा की डोली ने कोटेश्वर में स्नान किया तथा भगवान कोटेश्वर गुफा मंदिर में भगवान शिव से दर्शन किए। इस दौरान मां सुरकंडा का शिव से अद्भुत मिलन के साक्षी सैकड़ों भक्तजन बने। जिसके बाद मां सुरकंडा की डोली वापस ऋषिकेश के लिए रवाना हुई।

चमोली जिले में रिवर डेजिंग के लिए 21 स्पॉट चिन्हित किए

संवाद सहयोगी

चमोली। डीएम संदीप तिवारी ने चमोली में रिवर ड्रेजिंग कार्यों की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान चमोली जनपद में रिवर ड्रेजिंग के लिए चयनित स्थानों को लेकर चर्चा की गई। साथ ही जिले में 21 स्थानों पर रिवर ड्रेजिंग स्पॉट चयनित किए गए। डीएम ने बैठक में आपदा प्रबंधन अधिकारी व सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता को आपदा का प्रभाव कम करने के लिए आपदा संभावित क्षेत्रों में रिवर ड्रेजिंग की आवश्यकता वाले स्थल चयनित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने चयनित आपदा संभावित क्षेत्रों में आवश्यक कार्रवाई पूर्ण कर शीघ्र रिवर ड्रेजिंग कार्य करवाने के भी निर्देश दिए। इस दौरान डीएम ने बैठक से अनुपस्थित अधिकारियों के वेतन रोकने के साथ कड़ी कारवाई करने के आदेश दिए। उन्होंने रिवर ड्रेजिंग समीक्षा बैठक को आगामी गुरुवार को पुन: आयोजित करने व सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में भौतिक रूप से उपस्थित होने के आदेश दिए। बैठक में खनन अधिकारी अंकित चंद ने बताया कि चमोली जनपद में कुल 21 स्थान रिवर ड्रेजिंग के लिए चयनित किए गए हैं। जिनसे एक करोड़ से अधिक के राजस्व की प्राप्ति का अनुमान है। बताया कि चमोली तहसील के अन्तर्गत जहां छह स्थान रिवर ड्रेजिंग के लिए चयनित किए गए हैं। वहीं नंदानगर में एक, जोशीमठ चार, थराली में छह, कर्णप्रयाग में दो और नंदप्रयाग में दो स्थान चिन्हित किए गए हैं।

किच्छा में ढाई किलो अफीम के साथ दो बाइक सवार गिरफ्तार

संवाद सहयोगी

रुद्रपुर। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) की टीम ने स्थानीय पुलिस के साथ मंगलवार शाम दरऊ रोड पर चेकिंग के दौरान ढाई किलो अफीम के साथ दो बाइक सवारों को गिरफ्तार किया। आरोपी मीरगंज बरेली से अफीम लाकर रुद्रपुर और बाजपुर में बेचने आ रहे थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मंगलवार शाम एएनटीएफ की टीम स्थानीय पुलिस के साथ दरऊ क्षेत्र में वाहन चेकिंग कर रही थी। इस दौरान यूपी ब्रिक उद्योग के निकट दरऊ की ओर से बाइक पर सवार दो व्यक्ति आते दिखाई दिए। पुलिस के रोकने पर चालक ने बाइक वापस मोड़ने का प्रयास किया। इस कारण बाइक सवार दोनों व्यक्ति नीचे गिर गए। पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उनके पास से 2.513 ग्राम अफीम बरामद हुई। बाइक चालक ने अपना नाम हेमंत कुमार पुत्र विजयपाल निवासी ग्राम चकदहा शाही बरेली और पीछे बैठे व्यक्ति ने अपना नाम भानु प्रताप पुत्र रामचंद्र निवासी ग्राम खानपुर भोजीपुरा बरेली बताया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वह अफीम मीरगंज निवासी ननुआ से लेकर आए हैं। इसे बेचने के लिए वह रुद्रपुर और बाजपुर क्षेत्र में जा रहे थे। पुलिस टीम में प्रशिक्षु आईपीएस प्रभारी कोतवाल निशा यादव, निरीक्षक धीरेंद्र कुमार, वरिष्ठ उप निरीक्षक सतीश शर्मा, उप निरीक्षण हेमचंद्र तिवारी, एएनटीएफ कुमाऊं रेंज के उप निरीक्षक विपिन चंद्र जोशी, हेड कांस्टेबल मनमोहन सिंह, कांस्टेबल मोहित जोशी और उमेश सिंह शामिल रहे।

वहीं पुलिस ने एक युवक को 14.23 ग्राम स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। एसओ उमेश कुमार ने बताया कि मच्छी झाले के पास मुख्य हाईवे पर संदिग्ध बाइक सवार युवक को रोका। पुलिस को देख वह भागने लगा। इस दौरान वह गिर गया। पुलिस ने उसे पकड़ लिया। उसके पास से 14.23 ग्राम स्मैक बरामद हुई।

सरयू शेराघाट-अल्मोड़ा पंपिंग पेयजल योजना स्वीकृत करने की मांग

नई टिहरी। अल्मोड़ा विधायक मनोज तिवारी ने मुख्यमंत्री को पत्र सौंपकर अल्मोड़ा विधानसभा की दस विकास योजनाओं को मूर्त रूप देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि उनकी विधानसभा में जन समस्याओं के समाधान और आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए इन योजनाओं की स्वीकृति जरूरी है। प्रमुख योजनाओं में सरयू शेराघाट-अल्मोड़ा पंपिंग पेयजल योजना, इंजीनियरिंग कॉलेज, हार्ट केयर यूनिट, धार्मिक स्थलों को रोपवे से जोड़ने की परियोजना, स्पोर्ट्स कॉलेज, बाड़ेछीना में पॉलिटेक्निक भवन, सड़कों के नवीनीकरण, हाई स्कूल ढौरा के उच्चीकरण और मिनी स्टेडियम की स्वीकृति शामिल हैं। विधायक ने पॉलिटेक्निक भवन के लिए धनराशि स्वीकृति और सरयू शेराघाट योजना की घोषणा में शामिल करने के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया।

तीन सड़कों के लिए 2.13 करोड़ की वित्तीय, प्रशासनिक मंजूरी मिली

संवाद सहयोगी

रुद्रपुर। शासन ने राज्य योजना में सितारगंज विधानसभा क्षेत्र की तीन ग्रामीण सड़कों के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण के लिए 2.13 करोड़ की वित्तीय व प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने ग्रामीणों की मांग पर लोनिवि से प्रस्ताव तैयार कराए थे। मंगलवार को संयुक्त सचिव श्याम सुंदर ने जीओ जारी करते हुए तीन कार्यों के लिए 10-10 हजार की टोकन मनी भी अवमुक्त कर दी है। जारी जीओ में बताया कि राज्य योजना से सितारगंज विधानसभा के अंतर्गत शक्तिफार्म के गांव गोविंद नगर में विधान के घर से सुखी नदी के बांध तक एक किमी. सड़क, गोविंद नगर में ही पाठक के घर से गणेश दत्त चौसाली के घर तक 0.9 किमी. सड़क और गुरुग्राम में साधन बैरागी के घर से सिंचाई विभाग की नहर तक 0.58 किमी. सड़क निर्माण के लिए 2.13 करोड़ की वित्तीय व प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है। तीनों सड़क निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग को कार्यदायी संस्था नामित किया है। लोनिवि के अपर सहायक अभियंता सत्यपाल सिंह ने बताया कि तीनों सड़कों की जल्द ही टेंडर प्रक्रिया को पूरा कर निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

नपा अध्यक्ष ने किया जन शिकायत केंद्र का विधिवत शुभारंभ

संवाद सहयोगी

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग नगर पालिका क्षेत्र की जनता को अब घर बैठे अपनी समस्या दर्ज कराने का अवसर मिल गया है। नगर पालिका कार्यालय में एक जन शिकायत केंद्र का नपा अध्यक्ष संतोष रावत ने विधिवत शुभारंभ किया है। इस केंद्र में जनता द्वारा दर्ज शिकायत का 48 घंटे के भीतर समाधान किया जाएगा। पहले दिन ही जनता द्वारा विद्युत, सफाई से जुड़ी 6 शिकायत दर्ज हो चुकी हैं। मंगलवार को नगर पालिका कार्यालय में नगर पालिका अध्यक्ष संतोष रावत के साथ ही सभासदों एवं स्थानीय नागरिकों की मौजूदगी में जन शिकायत केंद्र का शुभारंभ किया गया है। जन शिकायत केंद्र के 8791041698 मोबाइल नम्बर पर न केवल शिकायत बल्कि व्हाट्सऐप से फोटो भी भेजी जा सकेगी। इस मौके पर नपा अध्यक्ष संतोष रावत ने कहा कि जनता को यह सुविधा इसलिए प्रदान की गई है ताकि जन समस्याओं का जल्द से जल्द समाधान हो। हम 48 घंटे के भीतर समस्या हल करेंगे। बाद में इसे ऐप का स्वरूप दिया जाएगा। शिकायत केंद्र में एक महिला कर्मी तैनात है जो आफिस समय तक जनता की समस्याएं दर्ज करेंगी। पहले दिन जन शिकायत केंद्र में बिजली और सफाई से जुड़ी 6 शिकायतें दर्ज हुई हैं। इस मौके पर नपा के ब्रांड एम्बेसडर जसपाल भारती, बार एसोशियन के अध्यक्ष प्रदीप जगवाण, कृष्णानंद डिमरी, श्यामलाल सुंदरियाल, अशोक चौधरी, ज्योत सिंह बिष्ट ने नपा की इस पहल का स्वागत किया। कहा कि यह प्रयास जनता के लिए काफी मददगार साबित होगा। इस मौके पर नपा सभासद नरेंद्र रावत, किरन पंवार, नमन शर्मा, अंकुर खन्ना, विनीता नेगी, रवीना देवी, पूर्व सभासद सुरेंद्र भंडारी, तरुण पंवार, मुबारक हुसैन सहित कई लोग मौजूद थे।

घायल सोनू ने उपचार के दौरान तोड़ा दम

बागेश्वर। चाकूबाजी में घायल सोनू कोरंगा आखिरकार जीवन की जंग हार गया। उसने एम्स दिल्ली में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मालूम हो कि उत्तरायणी मेले के दौरान तीन युवकों के साथ मारपीट की घटना हुई। इतना ही नहीं इस मारपीट में चाकूबाजी भी। इस घटना में घायल 28 वर्षीय सुंदर कोरंगा उर्फ सोनू का इलाज एम्स दिल्ली में चल रहा था। बुधवार की सुबह उपचार के दौरान उसका निधन हो गया। उनके निधन पर विधायक सुरेश गड़िया, नगर पंचायत अध्यक्ष गीता ऐठानी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष हरीश सिंह ऐठानी, गोविंद सिंह, हरीश मेहरा, पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण, शेर सिंह ऐठानी, बृज मोहन सिंह आदि ने गहरा दुख जताया है।

हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजे शिवालय

संवाद सहयोगी

चमोली। महाशिवरात्रि पर बुधवार को शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में भक्तों ने भोलेनाथ के दर्शनकर पूजा-अर्चना की। गोपीनाथ मंदिर में 11 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने भगवान गोपीनाथ के दर्शन किए। श्रद्धालुओं की आस्था का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वे महाशिवरात्रि पर प्रात: तीन बजे से ही मंदिर में दर्शन के लिए पहुंच गए थे। हालांकि मंदिर के कपाट परम्परा के अनुसार ब्रह्म मुहूर्त में खुले। पर इससे पहले ही दर्शन पथ और मंदिर परिसर में शिव भक्तों की लाइन लग गई थी। सुबह के समय हल्की बूंदाबांदी और ठंड के बाद भी श्रद्धालुओं ने लाइन में लगकर भगवान के दर्शन किए। रुद्रनाथ गोपीनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष मनोज भट्ट, पुजारी अपूर्व भट्ट, पुजारी अनिल तिवारी, मंदिर समिति के सदस्य कमलेश रावत ने बताया कि महाशिवरात्रि पर बहुत समय बाद इतनी बड़ी संख्या में शिव भक्त गोपीनाथ गोपेश्वर मंदिर पहुंचे। रात्रि 12 बजे तक अनवरत पूजा अर्चना जारी रही। गोपेश्वर में शिव बारात का आयोजन किया गया। शिव पार्वती, विष्णु, देवी देवताओं के साथ शिवगण शिव बारात में पहुंचे। शिव भक्त संजय कुमार ने बताया कि इस अवसर पर गोपीनाथ गोपेश्वर मंदिर परिसर में भजन कीर्तन और शिव आराधना संध्या का आयोजन किया गया। महाशिवरात्रि के अवसर पर गोपीनाथ गोपेश्वर शिव मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। पुलिस दिनभर सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रही।

वहीं दूसरी ओर बुधवार को शिवरात्रि के पावन पर्व पर कर्णप्रयाग, सिमली, बगोली, आदिबदरी, गौचर, कालेश्वर, लंगासू आदि कस्बों के शिव मंदिरों में भगवान के जलाभिषेक के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। संगम स्थित शिवालय, छांतेश्वर, जलेश्वर आदि शिवालयों में भक्त सुबह से ही भगवान शिव को गंगा जल अर्पित करने को पहुंचे। श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक कर क्षेत्र की सुख समृद्धि का आशीर्वाद मांगा। पुलिस की ओर से भी महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर जिले के सभी प्रमुख शिवालयों/शिव मंदिरों में सुरक्षा व्यवस्था के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया

संवाद सहयोगी

पौड़ी। स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिला टीबी क्लीनिक पौड़ी में 100 दिवसीय प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. रमेश कुंवर द्वारा अभियान की प्रगति को लेकर जानकारी दी गई। कहा कि जिले में 7 दिसंबर 2024 से 100 दिवसीय प्रधान मंत्री टीबी उन्मूलन कार्यक्रम संचालित है। अभी तक जनपद में विभिन्न ब्लॉक में टीबी मरीजों की खोज के लिए चलाए जा रहे अभियान में 3200 लोगों के एक्सरे व 800 नाट टेस्ट किए जा चुके हैं, जिसमें 200 नए टीबी के मरीजों की पहचान की गई है। सांसद प्रतिनिधि संजय बलूनी ने कहा कि पहले टीबी एक जानलेवा बीमारी थी, लेकिन समय के साथ दवाइयों की उपलब्धता व सरकार के साथ ही विभाग द्वारा टीबी उन्मूलन के लिए किए जा रहे प्रयासों से आज हम टीबी मरीजों को बेहतर उपचार प्रदान करने के साथ ही टीबी उन्मूलन के लिए अग्रसर है। कार्यक्रम के दौरान 100 दिवसीय प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान में बेहतर कार्य कर रही पौड़ी ब्लॉक की तीन आशा कार्यकर्ताओं को भी सम्मानित किया गया। इस दौरान डॉ. रुचि पैन्यूली, दामोदर ममगाईं, सुबोध खुगशाल, नृपेश तिवारी, रजनी आदि शामिल थे।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं सम्पादक **एम हसीन** द्वारा परम नागरिक प्रकाशन, 449 (254) शेखपुरी, रुड़की-247667 जनपद हरिद्वार (उत्तराखण्ड) के लिए ए के प्रिंटर्स खान मार्केट शहाबुद्दीनपुर रोड लढ़ावाला, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 449 (254) शेखपुरी, रुड़की-247667 जनपद हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित। सम्पर्क : 9997178556 ई-मेल : paramnagrik2013@gmail.com, hasin.m1@gmail.com
सभी वादों का न्याय क्षेत्र रुड़की ही मान्य होगा। प्रकाशित समाचार सामग्री से प्रेस से कोई सम्बंध नहीं है।

सड़क सुरक्षा से जुड़े कार्यों में न बरतें लापरवाही : डीएम

संवाद सहयोगी

नई टिहरी। सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में डीएम मयूर दीक्षित ने सड़क सुरक्षा-जीवन सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विभागों को काम करने के निर्देश दिए। सड़क सुरक्षा से जुड़े विभागों को स्पीड डिस्प्ले बोर्ड लगाने के साथ ही आटोमैटिक चालान की व्यवस्था पुख्ता करने को आदेशित किया। जिला मुख्यालय पर वीसी कक्ष में डीएम की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समित की बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीएम ने एनएच-7 पर तोताघाटी के पास एवं एनएच-34 ताछला के पास कुल 2 स्पीड डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाने के निर्देश दिए। जिस पर एआरटीओ ने बताया कि डिस्प्ले बोर्ड स्थापित हो रहे हैं। डीएम ने बीआरओ के अधिकारियों को निर्देश दिए कि नरेन्द्रनगर के पास काफी समय से दीवार क्षतिग्रस्त है तथा यात्रा सीजन से पूर्व इस कार्य को पूर्ण कर लें। हिण्डोलाखाल में भूस्खलन क्षेत्र में सड़क मरम्मत का कार्य तत्काल करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन स्थानों पर स्लोप ट्रीटमेंट का कार्य पूर्ण हो गया है। वहां मार्ग से मलबा आदि हटा दिया जाए। जिन स्थानों पर निर्माण कार्य गतिमान है, वहां पर यातायात की सुरक्षा के लिए पर्याप्त बोर्ड, टेप व फ्लैग लगाकर निर्माण सामग्री को समुचित ढंग से मार्ग के किनारे रखे तथा सभी कार्यस्थलों पर निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रोजेक्ट बोर्ड भी स्थापित करें। साथ ही उन्होंने यातायात नियमों की उल्लघना करने पर कार्रवाई के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर अधीक्षण अभियन्ता लोनिवि मनोज बिष्ट, एआरटीओ सत्येन्द्रराज, ईई लोनिवि चम्बा जगदीश खाती, कीर्तिनगर धीरेन्द्र कुमार, थत्यूड़ सोनू त्यागी, बीआरओ एवं पुलिस विभाग व सम्बन्धित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

लछमोली धाम बागवान में लोगों का स्वास्थ्य जांचा

श्रीनगर गढ़वाल। महा शिवरात्रि पर राष्ट्रीय मेडिकोज संगठन द्वारा कीर्तिनगर ब्लॉक के शाश्वत लछमोली धाम बागवान में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का संचालन राजकीय मेडिकल कॉलेज, श्रीनगर के चिकित्सको, स्वयंसेवकों द्वारा किया गया। शिविर में दो सौ से अधिक मरीजों ने स्वास्थ्य की जांच कराई। शिविर के समन्वयक डॉ. अमन भारद्वाज ने बताया कि मेडिकल कालेज प्राचार्य डॉ. सीएमएस. रावत एवं चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में किया गया। इस मौके पर शाश्वत धाम लछमोली एवं पर्वतीय विकास शोध केंद्र द्वारा डॉ. अमन भारद्वाज को शाश्वत रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया।

देवप्रयाग में सात छात्रों ने नेट परीक्षा पास की

नई टिहरी। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर के योग व संस्कृत विषय के सात छात्र-छात्राओं ने नेट व एक छात्र ने जेआरएफ परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। इनमें तीन छात्र दूसरी बार नेट में सफल हुए हैं।

परिसर के शोध छात्र चंडीप्रसाद सहित दीपांक्षा, उर्मिला, कुशाग्र अत्री ने संस्कृत एवं विशाल कुमार भोरवाल, प्रतीक सिंह व अजय कृष्ण ने योग में नेट परीक्षा उत्तीर्ण की है। वहीं कुशाग्र अत्रि कनिष्ठ शोध वृत्ति परीक्षा में सफल हुए हैं। परिसर निदेशक प्रो. पीवीबी सुब्रह्मण्यम ने छात्रों की सफलता को गौरव बढ़ाने वाला बताया।

शैलेश्वर मेले में मेधावी छात्रों को सम्मानित किया

संवाद सहयोगी

चमोली। शैलेश्वर में आयोजित सांस्कृतिक, धार्मिक एवं पर्यटन मेले के समापन पर मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इस दौरान गैरोली, चमोला, कनोठ, सिमल्ट, नौटी, नंदासैंण, नैणी, एरोली, डुंगरी, मलेठी सहित बासपास के गांवों से सैकड़ों लोग मेले में पहुंचे और उन्होंने शिवरात्रि के पावन पर्व पर भगवान शिव का जलाभिषेक किया। महिला मंगल दलों एवं जूनियर हाईस्कूल चौरासैण तथा प्राथमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। शैलेश्वर महादेव मेले के चतुर्थ दिवस पर भव्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की धूम रही। महिला मंगल दलों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मेले के समापन पर गोदाबंरी देवी चौरिटेबल ट्रस्ट नई दिल्ली द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। साथ ही रजनी नेगी ने राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया। समापन पर मुख्य अतिथि विधायक प्रतिनिधि गबरसिंह रावत का प्राथमिक विद्यालय मलेठी के विद्यार्थियों की ओर से स्वागत गान से भव्य स्वागत किया गया और उन्होंने मेला समिति के उत्थान एवं विकास के लिए एक लाख रुपये की घोषणा की। विशिष्ट अतिथि कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मुकेश नेगी, पूर्व खंड शिक्षा अधिकारी मनवर नेगी ने भी संबोधित किया। मेले में महिला मंगल दलों द्वारा कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। महिला कवि सम्मेलन में प्रतिभाशाली कवयित्रियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। इस मौके पर प्राथमिक शिक्षक संघ चमोली के प्रांतीय मंत्री दिगंबर सिंह, जिलाध्यक्ष जयदीप सिंह, जिला मंत्री मुकेश सिंह, जिला उपाध्यक्ष केएस नेगी, ब्लॉक महामंत्री गैरसैंण आरएस नेगी थे।

विधायक ने श्रीदेव सुमन विवि के निर्माण कार्यों का लिया जायजा

संवाद सहयोगी

नई टिहरी। टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने श्री देव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों का मंगलवार को जायजा लिया। जिसके बाद बैठक कर विधायक ने निर्माण कार्यों में उपयोग की जा रही सामग्री को उच्च स्तरीय रखने के निर्देश दिए।

टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने विवि के अधिकारियों को विश्वविद्यालय के विकास में अग्रणी भूमिका निभाने की सलाह दी। विश्वविद्यालय के मुख्यालय में निर्माण कार्यों का जायजा लेते हुए विधायक ने डीएम से दूरभाष पर बातचीत कर विश्वविद्यालय के विकास कार्यों में सहयोग देने को कहा। उन्होंने जिलाधिकारी को दूरभाष पर बताया कि विश्वविद्यालय के मुख्यालय में स्थित माध्यमिक विद्यालय को जल्द से जल्द पूर्व में निर्धारित स्थान पर शिफ्ट किया जाए। विधायक ने विवि में चल रहे अवस्थापना विकास प्रगति पर कुलपति प्रो एनके जोशी की प्रशंसा की। उन्होंने निर्माणाधीन अकादमिक ब्लॉक, ट्रांजिट हास्टल, कुलपति आवास, अधिकारी आवास, कैफेटेरिया, आदि निर्माण कामों का निरीक्षण किया। उन्होंने विश्वविद्यालय अधिकारियों को निर्देशित दिए कि मुख्यालय में बीसीए के अतिरिक्त अन्य पाठ्क्रमों की कक्षाएं भी संचालित की जाए। ताकि स्थानीय छात्रों को इसका लाभ मिल सके। मौके पर चम्बा नगर पालिका की अध्यक्षा शोभनी धनोला, ऋषिकेश के निदेशक प्रो महाबीर सिंह रावत, उप कुलसचिव डॉ. आरके जोशी, सहायक परीक्षा नियंत्रक डॉ. हेमन्त बिष्ट, सहायक कुलसचिव प्रशासन विजय सिंह, सहायक कुलसचिव वित्त प्रमोद बैंजवाल, निजी सचिव कुलपति वरुण डोभाल, विजय कठैत, अक्षत बिजल्वाण, उदय रावत, दीपक गुनसोला, राजेश्वर बडोनी, विनोद सुयाल आदि मौजूद रहे।

सिद्धपीठ ओणेश्वर महादेव मंदिर में मेला शुरू

संवाद सहयोगी

नई टिहरी। महाशिवरात्रि के पर्व पर खराब मौसम के बावजूद शिव मंदिरों में जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर परिवार की खुशहाली की कामना की। प्रतापनगर ब्लॉक के सिद्धपीठ ओणेश्वर महादेव मंदिर में तीन दिवसीय शिवरात्रि मेला भी शुरू हो गया है। बुधवार को महाशिवरात्रि पर सुबह से ही शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ लगनी शुरू हुई, जो देर शाम तक जारी रही। सुबह बारिश के कारण प्रतिकूल मौसम में भी शिव भक्तों की आस्था नहीं डिगी। उन्होंने हाथ में पानी के लोटे और दूध के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक कर मिन्नतें मांगी। जिला मुख्यालय के सत्येश्वर महादेव, त्रिदेवी, जाखणीधार के प्रसिद्ध देवलसारी, कोटेश्वर महादेव, कुंजेश्वर महादेव, बेलेश्वर महादेव, नीच चामेश्वर, प्रतापनगर के ओणेश्वर महादेव, कोटेश्वर महादेव, थकलेश्वर महादेव सहित जिलेभर के मंदिरों में महाशिवरात्रि पर दर्शन और जलाभिषेक के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रही। सुबह 11 बजे के बाद मौसम साफ होने के बाद भीड़ संख्या में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। इस मौके पर जाखणीधार ब्लॉक प्रशासक सुनीता देवी, शांति प्रसाद भट्ट, अनूप भट्ट, जयप्रकाश डबराल, भगवान सिंह राणा, कुलदीप पंवार आदि मौजूद थे।

टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय ने डोबरा के कुंजेश्वर महादेव मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। इधर, प्रतापनगर ब्लॉक के सिद्धपीठ ओणेश्वर महादेव मंदिर में तीन दिवसीय शिवरात्रि मेला का भी विधिवत शुभारंभ हो गया। मंदिर समिति के अध्यक्ष द्वारिका प्रसाद भट्ट, ब्लॉक प्रशासक प्रदीप चंद रमोला ने बताया कि जलाभिषेक के लिए सुबह 6 बजे से ओण, भदूरा, उपली रमोली, रौणद रमोली, रैका, धारमंडल समेत जिलेभर के शिव भक्त जलाभिषेक के लिए पहुंचे। मंदिर समिति और तहसील प्रशासन ने इसके लिए जरूरी व्यवस्था कराई थी। मेला में बड़ी संख्या में महिलाओं और बच्चों ने खरीदारी की। गुरुवार को स्कूल छात्र-छात्राओं की संस्कृति प्रतियोगिताएं कराई जाएंगी। वहीं मेला में विभागीय योजनाओं के स्टाल भी लगाए गए हैं। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित भी मेला में पहुंचकर आणेश्वर महादेव मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे।

वहीं भिलंगना ब्लॉक के नैलचामी पट्टी के चामी गांव में आयोजित पौराणिक पांडव नृत्य में कलाकारों ने शानदार अभिनय किया। श्रद्धालुओं ने पांच पांडव से लेकर अन्य देवी-देवताओं के पश्वाओं से खुशी-खुशहाली का आशीर्वाद लिया। चामी गांव में आयोजित पांडव नृत्य में घनसाली विधायक शक्ति लाल शाह ने शिकरत करते हुए देवताओं से क्षेत्र की समृद्धि का आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि पांडव नृत्य और देवी-देवताओं की पूजा अर्चना हमारी पौराणिक परंपरा रही है। वर्तमान में भी लोग अपनी परंपरा को संजोए रखने के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं।

छात्र-छात्राओं को दी जानकारी

पौड़ी। राजकीय व्यावसायिक महाविद्यालय पैठाणी में छात्र-छात्राओं के लिए करियर काउंसिल कार्यक्रम आयोजित किया गया। काउंसिल में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया कोटद्वार के भूपेंद्र सिंह रावत और अजय रावत ने छात्र-छात्राओं को करियर से संबंधित कई जानकारियां दी। उन्होंने प्राध्यापकों, कर्मचारियों एवं छात्रों को बचत की भावना, जीवन बीमा की महत्ता और वित्तीय सुरक्षा पर जानकारी दी। विशेषज्ञों ने टर्म प्लान, एंडोमेंट प्लान और बचत-लिंक्ड योजनाओं पर चर्चा की। प्रतिभागियों ने बीमा नीतियों, प्रीमियम और कर लाभों पर सवाल पूछे। इस मौके पर महाविद्यालय के प्राचार्य डा.विजय कुमार अग्रवाल, डा. कल्पना रावत, डा. पुनीत वर्मा, डा. खिलाप सिंह, डा. प्रकाश फोंदणी आदि शामिल रहे।

अपर पुलिस अधीक्षक अल्मोड़ा ने किया कोतवाली का वार्षिक निरीक्षण

संवाद सहयोगी

अल्मोड़ा। अपर पुलिस अधीक्षक हरबन्स सिंह ने बुधवार को कोतवाली अल्मोड़ा और मंगलवार को थाना लमगड़ा का वार्षिक निरीक्षण किया। निरीक्षण की शुरुआत गार्द सलामी के साथ हुई, जिसके बाद कोतवाली और थाने के सीसीटीएनएस कार्यालय, मालखाना, कर्मचारी बैरक, भोजनालय सहित सभी व्यवस्थाओं की बारीकी से जांच की गई। साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई और अभिलेखों की गहनता से जांच कर सभी प्रविष्टियों को चेक किया गया। कार्यालय स्टाफ को अभिलेखों को अद्यतन रखने और सीसीटीएनएस पोर्टल पर सभी जानकारियों को समय से फीड करने के निर्देश दिए गए। लंबित विवेचनाओं, शिकायती प्रार्थना पत्रों, वारंटों की तामीली और मुकदमों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश भी दिए गए। जवानों को शस्त्र संचालन का अभ्यास कराया गया और उनकी जानकारी परखी गई। साथ ही, आगंतुकों और शिकायतकर्ताओं के साथ शालीन व्यवहार सुनिश्चित करने को कहा गया। बीट पुलिस को अपने क्षेत्रों में नियमित भ्रमण और अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व भंडारण पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। थाना लमगड़ा में जनसंवाद कार्यक्रम के तहत स्थानीय लोगों की समस्याएं सुनी गईं, जिनमें से कुछ का मौके पर ही समाधान किया गया और बाकी मामलों के शीघ्र निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान कोतवाली अल्मोड़ा में प्रभारी निरीक्षक योगेश चंद्र उपाध्याय और थाना लमगड़ा में थानाध्यक्ष राहुल राठी, चौकी प्रभारी मोरनौला मनोज कुमार, चौकी प्रभारी जैंती दिनेश परिहार सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

बागनाथ के दर से सतराली की खड़ी होली शुरू

संवाद सहयोगी

बागेश्वर। अपनी पुरानी परंपरा को निभाते हुए सतराली क्षेत्र के सात गांव के होल्यार बुधवार को बाबा बागनाथ के दर पर पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने मंदिर में बने मठ में अबीर-गुलाल उड़ाया। इसके बाद ढोलक और मजीरे की थाप पर होली गायन शुरू किया। यहां पहुंचने पर बागनाथ मंदिर समिति तथा स्थानीय लोगों ने होल्यारों का टीका लगाकार स्वागत किया। सतराली क्षेत्र के थापला, पनेरगांव, खाड़ी, ताकुला, झड़कोट, लोहना, कोतालगांव के होल्यार बुधवार एक बजे मंदिर पहुंचे। होल्यारों ने सबसे पहले शंभू तुम क्यों न खेलो होरी... गाई। उसके बाद सिद्धी को दाता विघ्न विनाशन, होली खेलें गिरीजा पतिनंदन होली का गायन किया। होली गायन शुरू होते ही स्थानीय लोग भी उनके साथ गायन में जुट गए और दो घंटे तक उन्होंने होली गायन किया। होली गायन शुरू होते ही बाबा बागनाथ की नगरी होली के रंग में रंग गई। सैकड़ों की संख्या में लोग बानाथ मंदिर में जुटे रहे। ग्रामीणों का कहना है कि वह शिवरात्रि से खड़ी होली का गायन शुरू करते हैं। होली एकादशी पर रंग की होली शुरू हो जाती है। वहां के होल्यार सात गांवों में जाकर होली गायन करते हैं। इस मौके पर धरम सिंह, ललित पंत, मनीष सुयाल, चंद्र शेखर लोहनी, भुवन चंद्र लोहनी, नवीन लोहनी, ललित मोहन कांडपाल, मनोज लोहनी, देवीदत्त कांडपाल, नंदा बल्लभ जोशी, सोनू कर्नाटक आदि मौजूद रहे।

यात्रा के मददेनजर सकानीधार में रडार स्पीड साइन बोर्ड लगाए

संवाद सहयोगी

नई टिहरी। परिवहन विभाग, पुलिस और बीआरडी की संयुक्त टीम ने ऋषिकेश-गंगोत्री हाईवे के भूस्खलन प्रभावित व दुर्घटना संभावित क्षेत्र ताछला और ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे के सकानीधार में चारधाम यात्रा के मद्देनजर रडार स्पीड साइन बोर्ड लगाए हैं। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देश यह बोर्ड लगाए जा रहे हैं। मंगलवार को एआरटीओ सत्येंद्र राज ने बताया कि चारधाम यात्रा मार्ग के तहत जिले के बदरीनाथ और गंगोत्री हाईवे पर सड़क दुर्घटनाओं में अंकुश लगाने के उद्देश्य से विभागीय कार्मिक और विशेषज्ञों ने उक्त साइन बोर्ड लगाए हैं। बताया कि रडार स्पीड साइन बोर्ड में रडार तकनीक का इस्तेमाल करके वाहनों की गति का पता लगता है। उसे डिजिटल डिस्प्ले पर प्रदर्शित किया जाता है। यह साइन बोर्ड वाहनों की गति को कम करने में मदद करता है। इन साइन से वाहनों की गति पैटर्न का डेटा इकट्ठा किया जा सकता है। इसी डेटा से उन इलाकों की पहचान की जा सकती है, जहां तेज गति से वाहन चलना बड़ी समस्या है। इन साइन से ड्राइविंग व्यवहार में भी बदलाव लाया जा सकता है। तेज गति से होने वाली दुर्घटनाओं और चोटों की संभावना को कम किया जा सकता है। इस मौके पर परिवहन कर अधिकारी सुंदरलाल पांडेय, इंजीनियर आदित्य पाटिल, अनंतराम रावत विपिन, सुशील, जाजल पुलिस चौकी इंचार्ज नवल किशोर गुप्ता, बीआरओ के अवर अभियंता नरेंद्र कोटियाल, विवेक राणा मौजूद थे।

वहीं विधायक तिलकराज बेहड़ ने बुधवार को अपने कार्यालय में लोक निर्माण, सिंचाई और शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान बेहड़ ने अधिकारियों को विकास योजना को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने बताया कि दीनदयाल चौक से आदित्य चौक तक सड़क के चौड़ीकरण का प्रस्ताव बनाकर भेज दिया गया है।

दो मई को खुलेंगे भगवान केदारनाथ धाम के कपाट

संवाद सहयोगी

रुद्रप्रयाग। विश्व प्रसिद्ध भगवान केदारनाथ धाम के कपाट दो मई को सुबह 7 बजे देश-विदेश के तीर्थयात्रियों के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे। महाशिवरात्रि पर्व पर ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में बीकेटीसी के वेदपाठी और आचार्यों की ओर से शुभ मूहुर्त निकाला गया। बदरी-केदार मंदिर समिति के आचार्य एवं वेदपाठियों द्वारा पंचांग गणना के अनुसार केदारनाथ मंदिर के कपाट खुलने का दिन निकाला गया। पौराणिक परम्परा के अनुसार भगवान केदारनाथ के शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में केदारनाथ रावल भीमाशंकर लिंग के साथ ही बदरी-केदार मंदिर समिति के मुख्य कार्याधिकारी विजय थपलियाल, पुजारी एवं स्थानीय हकहकूकधारियों की मौजूदगी में वेदपाठी एवं आचार्यगणों द्वारा कपाट खुलने का दिन व मुहूर्त निकाला गया। केदारनाथ रावल भीमाशंकर लिंग ने विधिवत कपाट खुलने के दिन की घोषणा की। भगवान केदारनाथ के कपाट खुलने से पहले 27 अप्रैल को ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में भैरवनाथ की विशेष पूजा संपंन की जाएगी। जबकि 28 अप्रैल को बाबा केदारनाथ की चल विग्रह डोली ऊखीमठ से केदारनाथ के लिए प्रस्थान करेगी। पहले दिन रात्रि विश्राम गुप्तकाशी में होगा। जबकि 29 को गुप्तकाशी से फाटा, 30 को फाटा से गौरीकुंड और एक मई को डोली गौरीकुंड से केदारनाथ धाम पहुंचेगी।

सम्पादकीय

परम नागरिक

गुरुवार, 27 फरवरी, 2025

वायु प्रदूषण अब एक वैश्विक समस्या

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्वभर में करीब 90 प्रतिशत बच्चे, जिनकी कुल संख्या लगभग 1। 8 अरब है, ऐसे क्षेत्रों में रहते हैं, जहां वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर है। भारत के कई इलाकों में इन दिनों वायु प्रदूषण को लेकर स्थिति बहुत विकराल है। दिल्ली और आसपास के कई क्षेत्रों में वायु प्रदूषण की समस्या बेहद गंभीर बनी हुई है, जहां कुछ जगहों पर वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के पार है, जबकि यह 50 से कम रहना चाहिए। वैसे वायु प्रदूषण अब एक वैश्विक समस्या बन चुका है, जिससे कई प्रकार की खतरनाक बीमारियां जन्म ले रही हैं और लाखों लोग असमय ही काल के ग्रास बन रहे हैं। वर्ल्ड हेल्थ फेडरेशन की एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक दशक में वायु प्रदूषण के कारण दिल की बीमारियों से होने वाली मौतों में करीब 27 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई है। रिपोर्ट के अनुसार हवा में छोटे प्रदूषक (अदृश्य कण) हृदय की लय, रक्त के थक्के जमने, धमनियों में ब्लॉक बनने और रक्तचाप को प्रभावित कर रहे हैं। वायु प्रदूषण का खतरा सबसे ज्यादा छोटे बच्चों के स्वास्थ्य पर बना है क्योंकि वे बहुत संवेदनशील होते हैं और जहरीली हवा की चपेट में जल्दी आते हैं। दरअसल वयस्कों की तुलना में छोटे बच्चे ज्यादा तेज गति से सांस लेते हैं, जिससे उनके शरीर में प्रदूषण के कण तेजी से तथा ज्यादा मात्रा में चले जाते हैं। इसी कारण वायु प्रदूषण छोटे बच्चों को बहुत जल्दी अपनी चपेट में लेता है और उनमें अस्थमा से लेकर फेफड़ों के संक्रमण तक कई बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। वायु प्रदूषण से बच्चों के मस्तिष्क और दूसरे अंगों पर भी प्रभाव पड़ता है। बच्चों में प्रदूषित हवा के कारण निमोनिया, फेफड़ों की समस्याएं, कमजोर दिल, ब्रोंकाइटिस, साइनस और अस्थमा जैसी बीमारियों का प्रकोप बढ़ जाता है। वायु प्रदूषण के कारण समय पूर्व प्रसव या फिर कम वजन वाले बच्चे पैदा होते हैं और ये दोनों ही शिशुओं की मृत्यु के प्रमुख कारण हैं। अत्यधिक प्रदूषण में पलने वाले बच्चे अगर बच भी जाते हैं, तब भी उनका बचपन अनेक रोगों से घिरा रहता है। बच्चों पर वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों को लेकर दुनियाभर में समय-समय पर परेशान करने वाली रिपोर्टें सामने आती रही हैं। किसी नवजात का स्वास्थ्य किसी भी समाज के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण होता है, लेकिन बेहद चिंताजनक स्थिति है कि कई अध्ययनों में बताया जा चुका है कि गर्भ में पल रहे शिशुओं पर भी वायु प्रदूषण का घातक असर पड़ता है। एम्स द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार वायु प्रदूषण गर्भ में पल रहे बच्चे के लिए बहुत ज्यादा खतरनाक है। कुल मिलाकर प्रदूषण की समस्या बेहद गंभीर है। ऐसा नहीं है कि यह समस्या केवल ठंड के दिनों में ज्यादा होती है। अब तो स्थिति यह है कि वर्षभर प्रदूषण से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। इस मामले में केंद्र और राज्य सरकारों को तो गंभीर प्रयास करने ही चाहिए लेकिन आम जनता के बीच भी व्यापक जन जागरण की जरूरत है। जाहिर है अभी भी देश की जनता पर्यावरण प्रदूषण के प्रति उतनी जागरूक नहीं है जितनी होना चाहिए।

जहर उगलने वाले क्या जानें उर्दू की मिठास

तनवीर जाफरी

अपने छात्र जीवन में उर्दू कभी भी मेरा विषय नहीं रहा। हाँ हिंदी में साहित्य रत्न होने के नाते मेरा सबसे प्रिय विषय हमेशा हिंदी ही रहा। और आज भी मैं प्रायः हिंदी में ही लिखता पढ़ता हूँ। परन्तु शेर-ओ-शायरी का शौक बचपन से ही था। इसके तथा कुछ पारिवारिक व सामाजिक परिवेश के चलते उर्दू से खासकर उसके शब्दों के उच्चारण के आकर्षक तौर तरीकों से बहुत प्रभावित रहा। और जब बचपन और जवानी में बड़े मुशायरों में शिरकत करने का मौका मिलता और कुंवर महेंद्र सिंह बेदी सहर जैसे अजीम शायर को यह कहते सुनता कि उन्हें उर्दू जबान से मुहब्बत है, इश्क है क्योंकि यह जुबान आब ए हयात (अमृत) पीकर आई है तो यकीनन यह एहसास जरूर होता कि आखिर कुछ बात तो है कि भारत में पैदा होने वाली तथा फारसी व हिंदी के मिश्रण से तैयार उर्दू को हमारे देश के क्रांतिकारियों से लेकर बड़े से बड़े कवियों, साहित्यकारों, राज नेताओं, बुद्धिजीवियों ने न केवल अपनाया बल्कि उसे पाला पोसा और संवारा भी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी भी उर्दू को भारतीय भाषा कहते थे।

मुगल शासक भी उर्दू भाषा को हिंदी या हिंदवी कहते थे। परन्तु चूँकि उर्दू के लिखने में फारसी लिपि का उपयोग होता है इसलिये लोग इसे मुसलमानों की भाषा कहने लगे। शायद यही वजह है कि आज हिंदी व उर्दू भाषा रुपी दो बहनें एक दूसरे में इतनी रम चुकी हैं कि यदि आप इन दोनों को एक दूसरे से अलग भी करना चाहें तो संभव नहीं। उदाहरण के तौर पर केवल चंद ऐसे अल्फाज पेश हैं जो आम तौर पर हिंदी भाषा में बोले जाते हैं परन्तु दरअसल इन शब्दों का स्रोत अथवा उद्भव फारसी अथवा उर्दू से ही हुआ है। जैसे हिन्दोस्ताँ, अदालत, वकील, इंसाफ, मुंसिफ, पाएजामा, पेशाब, पंजाब, दरवाजा, खिलाफ, मुखालिफत शराब, किताब, इंकेलाब जिंदाबाद, शाही(स्नान), डाकखाना, दवा, ईलाज, वजीर, शाह, बादशाह, हकीम, हाकिम, हुक्म, सब्जी, मकान जैसे अनगिनत शब्द हैं जो प्रत्येक भारतीय रोजाना दिन में कई कई बार इस्तेमाल करता है परन्तु शायद उसे इस बात का एहसास भी नहीं होता कि वह उर्दू के शब्द बोल रहा है।

इसके बावजूद उर्दू जैसे मीठी व अदब साहित्य से सम्बन्ध रखने वाली भाषा का हमारे देश में दशकों से विरोध होता आ रहा है। विरोध तो समय समय पर अंग्रेजी का भी हुआ परन्तु दक्षिण भारत व पूर्वोत्तर में अंग्रेजी की व्यापक स्वीकार्यता व उसे मिलने वाले समर्थन के चलते राष्ट्रीय स्तर पर उसका विरोध नहीं हो सका। परन्तु उर्दू का विरोध करने का ठेका उसी विचारधारा के लोगों के पास है जो देश को एक रंग में रंगना चाहते हैं। बड़ी आसानी से इस भाषा को मुसलमानों की भाषा या विदेशी भाषा बताते हुये उर्दू का विरोध शुरू हो जाता है। जैसा कि पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में बजट सत्र के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मुंह से सुनने को मिला। मुख्यमंत्री ने सदन में विपक्ष पर हमलावर होते हुये यह कहा कि - ये अपने बच्चों को अंग्रेजी स्कूलों में पढ़ाएंगे और दूसरों के बच्चों को उर्दू पढ़ने को प्रेरित करेंगे। ये उन्हें मौलवी, कठमुल्ला बनने को प्रेरित करेंगे? यह नाइंसाफी है, यह नहीं चलेगा। योगी आदित्यनाथ के इस बयान से यह सवाल तो जरूर खड़ा होता है कि क्या उर्दू को जानने वालों का, उर्दू पढ़ने या पढ़ने वालों का मकसद केवल मौलवी बनना बनाना होता है? क्या उर्दू पढ़कर लोग कठमुल्ला बन जाते हैं ?

यदि ऐसा होता तो भारत में उर्दू की पहली गजल लिखने वाले कश्मीरी पंडित,पंडित चंद्र भान ब्राह्मण न होते। मुंशी नवल किशोर,दया नारायण निगम, जगत मोहन लाल रवां, नौबत राय नजर, मुंशी महाराज बहादुर बर्क, नाथ मदन सहाय, पंडित दया शंकर कौर नसीम, पंडित रतन नाथ सरशार, राम कृष्ण मुजतर, जमुना दास अख्तर, राम लाल, डॉ. जगन्नाथ आजाद, कृष्ण बिहारी नूर, संजय मिश्रा शौक, राम प्रकाश 'बेखुद', खुशबीर सिंह 'शाद', मनीष शुक्ल, आनंद मोहन जुत्शी, गुलजार देहलवी, कृष्ण चंदर, रतन सिंह, भारत भूषण पंत और मलिक राम जैसे हिन्दू उर्दू प्रेमियों के अनगिनत नाम हैं जिनके बिना भारत में उर्दू अदब का इतिहास लिखा जाना संभव ही नहीं है। सही मायने में तो इन लोगों के योगदान ने ही उर्दू को पूरे विश्व में समृद्ध बनाया। इनके अलावा शहीद व क्रन्तिकारी राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाकुल्लाह खान, सुभाष चंद्र बोस, महात्मा गाँधी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, रघुपति सहाय फिराक, आनंद नारायण मुल्ला, ब्रज नारायण चकबस्त जैसे अनेक सम्मानित नाम हैं जिन्होंने उर्दू से व उसकी मिठास से प्यार किया। इनमें न तो कोई कठमुल्ला बना न मौलवी न ही इन्होंने मुस्लिम तुष्टिकरण की खातिर इस भाषा से प्यार किया। दरअसल उर्दू को प्यार करने व इसे प्रोत्साहित करने वाले वे लोग थे जिनके मस्तिष्क में नफरत वैमनस्य या कुंठा नहीं भरी थी। वह साहित्य के कद्रदान लोग थे। वह उर्दू को हिंदी की छोटी बहन मानते थे। वह उर्दू को भारतीय भाषा मानते थे मुसलमानों की भाषा नहीं। वह लोग पूर्वाग्रही नहीं थे। समाज में प्यार व सद्भाव बांटते थे इसीलिये उन्होंने अपने संवाद व अपनी रचनाओं का माध्यम उर्दू रखा।

मगर अफसोस की बात है कि देश इस समय ऐसे लोगों के हाथों में है जिन्हें अन्य धर्मों व जातियों से नफरत है, जिन्हें लोगों के निजी खान पान व पहनावे से नफरत है। जिन्हें क्षेत्र व भाषाओँ से विद्वेष है। आपसी प्यार मोहब्बत इन्हें अच्छा नहीं लगता। यही वजह है कि कहीं उर्दू बाजार का नाम बदल कर हिंदी बाजार कर दिया गया। उर्दू के प्रतीत होने वाले अनेक जिलों, शहरों, कस्बों व रेल स्टेशंस के नाम बदल दिए गये हैं। जैसे फैजाबाद, मुगलसराय, इलाहाबाद जैसे अनेक प्रसिद्ध नाम इसी नफरती सियासत के कारण इतिहास बन चुके हैं। ऐसे ही संकीर्ण मानसिकता के लोगों की नजरों में उर्दू पढ़ने वाला सिर्फ मौलवी बनता है वह भी कठमुल्ला ? कहना गलत नहीं होगा कि ऐसी ही संकीर्ण मानसिकता के लोग हमारे देश की सांझी तहजीब के दुश्मन हैं। इन्हें मुसलमानों से नफरत, मस्जिदों से नफरत, मदरसे इन्हें नहीं भाते, उर्दू शब्दों वाले नामों से इन्हें नफरत। कब्रिस्तान और श्मशान में भेद करना इन संकीर्ण मानसिकता वादियों का व्यसन। धर्मों, जातियों व भाषाओं का विरोध करने वाले यह लोग इतने शातिर हैं कि यदि कोई इन संकीर्ण अतिवादियों का विरोध करे तो यह उसे विधर्मी, देशद्रोही, राष्ट्र विरोधी कुछ भी कह डालते हैं। क्योंकि दुर्भाग्यवश देश की सत्ता आज विषवमन करने वाले ऐसे लोगों के हाथों में है जो उर्दू की मिठास व उसके एहसास व प्रभाव को समझ पाने की क्षमता कतई नहीं रखते।

गैर बैंकिंग संस्थाओं पर नकेल कसना जरूरी

अज्ञात

> ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आय के स्रोत अनिश्चित हैं और यह मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर है। यह अप्रत्याशित मॉनसून, जिंसों की उतार-चढ़ाव वाली कीमतों और बढ़ती इनपुट लागत से भी प्रभावित होती है। गैर बैंकिंग संस्थाएं इस अंतर का फायदा उठा रहे हैं और रोजमर्रा की खपत के लिए ऋण अधिक ब्याज दरों पर देते हैं। इसमें ऋणों का रॉल ओवर चक्र एक अहम हिस्सा है। इसका सबसे बड़ा संस्थागत उदाहरण फसल ऋण है। सरकार हर वर्ष, किसानों को फसल ऋण का वितरण करने के लिए बैंकों के लिए महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करती है।

एक समय हमारे देश के ग्रामीण जन साहूकारों के चंगुल में फंसे हुए थे। वर्षा आधारित कृषि व्यवस्था होने की वजह से फसल से आय होना अनिश्चित था, इस वजह से हमारे किसान साहूकारों से कर्ज लेकर एक तरह से खुद को गिरवी रख देते थे। पिछले दो-तीन दशकों में स्थिति बदली। सहकारिता और राष्ट्रीयकृत बैंकों की वजह से किसानों को कर्ज लेने में आसानी हुई, लेकिन उदारीकरण के दौर में जिस तरह से निजी बैंकिंग क्षेत्र का हस्तक्षेप बढ़ा वैसे-वैसे फिर से किसान परेशानी में आ गए हैं। हाल ही में एक आर्थिक रिपोर्ट के अनुसार भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्र में ऋण का बढ़ता स्तर चिंता का विषय है। कुछ गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां ग्रामीणों की आर्थिक विवशता का दुरुपयोग कर उनका शोषण कर रही हैं। ऐसे ऋणों की मार्केटिंग बेहद आक्रामक तरीके से ऐसे की जाती है कि ऋण लेने वाले इनके दीर्घकालिक वित्तीय परिणामों से वाकिफ नहीं हो पाते और कर्ज के जाल में फंस जाते हैं। इन पर नकेल कसना जरूरी है। दरअसल, इस संकट के मूल कारणों में से एक, देश के ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार के पर्याप्त अवसरों का अभाव है। आर्थिक वृद्धि का लाभ भी पर्याप्त रूप से रोजगार सृजन में नहीं दिखा है, खासतौर पर गैर-कृषि क्षेत्रों में ऋण की आसान पहुंच और चौबीस घंटे डिलिवरी सेवाओं के प्रसार से ग्रामीण क्षेत्रों में खपत की स्थिति बढ़ी है। लोगों को गैर-जरूरी वस्तुओं और सेवाओं के वास्ते ऋण लेने के लिए लुभाया जा रहा है जिससे वे और अधिक कर्ज के जंजाल में फंस रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के परिवार, रोजमर्रा की अपनी जरूरतों के लिए भी ऋण की राशि पर निर्भर हो रहे हैं।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आय के स्रोत अनिश्चित हैं और यह मुख्य रूप से कृषि पर निर्भर है। यह अप्रत्याशित मॉनसून, जिंसों की उतार-चढ़ाव वाली कीमतों और बढ़ती इनपुट लागत से भी प्रभावित होती है। गैर बैंकिंग संस्थाएं इस अंतर का फायदा उठा रहे हैं और रोजमर्रा की खपत के लिए ऋण अधिक ब्याज दरों पर देते हैं। इसमें ऋणों का रॉल ओवर चक्र एक अहम हिस्सा है। इसका सबसे बड़ा संस्थागत उदाहरण फसल ऋण है। सरकार हर वर्ष, किसानों को फसल ऋण का वितरण करने के लिए बैंकों के लिए महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित करती है। इन लक्ष्यों को पूरा करने के लिए बैंकों पर दबाव होता है जिसके कारण अक्सर ऋणों का वितरण तेजी से यह सुनिश्चित किए बिना ही कर दिया जाता है कि इनका उपयोग उत्पादक तरीके से किया जाएगा या नहीं। इस ऋण का इस्तेमाल उत्पादक कृषि निवेश के लिए किए जाने के बजाय, तत्काल जरूरतों को पूरा करने या पुराने ऋण का भुगतान करने के लिए किया जाता है जिससे ग्रामीण ऋण संकट गहरा जाता है। कुछ बैंक जिनकी सार्वजनिक जमाओं तक कम लागत के साथ पहुंच है वे भी गैर बैंकिंग नेटवर्क की तुलना में कभी-कभी सूक्ष्म ऋण पर, उच्च ब्याज दर वसूल रहे हैं। अगर गैर बैंकिंग क्षेत्र की जांच-पड़ताल उनके ब्याज दरों के लिए की जा रही है तब क्या इस लिहाज से बैंकों की जांच नहीं की जानी चाहिए? ग्रामीण क्षेत्रों में ऋण की लागत कर्ज लेने वाले की भुगतान क्षमता के मुकाबले गैर-आनुपातिक तरीके से बढ़ रही है जिसके चलते ऋण का चक्र और जटिल हो रहा है।

ग्लोबल डेवलपमेंट इन्क्यूबेटर की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक ग्रामीण क्षेत्र के 50 प्रतिशत से अधिक लोगों की आमदनी का प्राथमिक स्रोत खेती है लेकिन इनमें से अधिकांश लोग बेहतर मौके पाने के लिए खेती छोडने के लिए तैयार हैं। देश के अनेक आर्थिक विशेषज्ञ मानते हैं कि दरअसल कृषि को समृद्धि का इंजन होना चाहिए यानी यदि हमारे किसान खेती छोडकर दूसरा कोई व्यवसाय करते हैं तो दीर्घकालिक हितों की दृष्टि से यह घाटे का सौदा होगा। इसलिए जरूरी है कि खेती को लाभ का व्यवसाय बनाया जाए तथा किसानों को गैर बैंकिंग संस्थाओं के आर्थिक शोषण से मुक्ति दिलाई जाए। दरअसल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए अभी बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है। केंद्र और राज्य सरकारों को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

महाकुंभ की ऐतिहासिक सफलता पर अनर्गल प्रलाप क्यों?

ललित गर्ग

महाकुंभ केवल एक धार्मिक समागम ही नहीं है, यह भारत की संस्कृति का भी परिचायक एवं आत्मा है। इस बार महाकुंभ में जितनी बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया, वह अकल्पनीय है, विश्व में इतने विशाल जनसमूह को आकर्षित एवं नियोजित करने वाले धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक आयोजन की कोई दूसरी मिसाल नहीं मिलती। इस सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन से विपक्षी दल एवं नेता बौखलाये हुए हैं और अपने बेतूके एवं अनर्गल प्रलाप से न केवल इस आयोजन की सफलता-गरिमा को धुंधलाना चाहते हैं बल्कि सनातन संस्कृति का उपहास उड़ा रहे है। टीएमसी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने महाकुम्भ को मृत्युकुम्भ कहा तो सपा सांसद जया बच्चन एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे कहते हैं कि शवों को गंगा में बहा दिया गया, लालू यादव कहते हैं फालतू है महाकुम्भ। इस प्रकार के गैर जिम्मेदाराना बयान सनातन धर्म के जुड़े हुए सबसे बड़े आयोजन के प्रति दिए गए हैं। ऐसे एवं कुछ अन्य विपक्षी नेताओं के भ्रामक, त्रासद एवं गुमराह करने वाले बयानों से वहां जाने वाले लोगों को भयभीत, आतंकित और आशंकित किया गया। इन विपक्षी नेताओं का एक वर्ग, धर्म का मखौल एवं उपहास उड़ाते हुए लोगों को तोड़ने में जुटा है और बहुत बार विदेशी ताकतें भी इन लोगों का साथ देकर देश और धर्म को कमजोर करने की कोशिश करती दिखती हैं। यह समझ आता है कि कुछ तथाकथित प्रगतिशील और धर्मनिरपेक्षतावादी लोगों को सनातन धर्म से जुड़ा हर पर्व और परंपरा रास नहीं आती, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या वे अन्य मतावलंबियों के ऐसे धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजनों पर उसी तरह की टीका टिप्पणी करते हैं जैसी उन्होंने महाकुंभ को लेकर की। आखिर हिन्दू समाज अपने अस्तित्व एवं अस्मिता पर हो रहे इन हमलों एवं आघातों के लिये कब जागरूक एवं संगठित होगा?

प्रयागराज महाकुंभ 2001, इस सहस्राब्दी का पहला कुंभ था, जो एक दुर्लभ खगोलीय संयोग के चलते 144 साल बाद हुआ है। जिसमें लगभग 62 करोड़ से अधिक लोगों के स्नान, रहने, चिकित्सा, यातायात व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन, स्वच्छता और सुरक्षा की शानदार एवं ऐतिहासिक व्यवस्थाएं करके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने न केवल देश बल्कि दुनिया को चौंकाया है। यह दुनिया का पहला विशाल आयोजन है, जिससे भारत एवं सनातन धर्म का गर्व एवं गौरव दुनिया में बढ़ा है। बावजूद इसके विपक्षी नेता जिस तरह की बातें कह एवं कर रहे हैं, निश्चित ही यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता, सनातन विरोधी मानसिकता को ही दर्शा रहा है, वे लगातार विभाजनकारी राजनीति को प्रोत्साहन देते हुए भूल जाते हैं कि उनके ऊपर देश को तोड़ने नहीं, जोड़ने की जिम्मेदारी है। वे जानते नहीं कि वे क्या कह रहे हैं। उससे क्या नफा-नुकसान हो रहा है या हो सकता है। वे तो इसलिए बोल रहे हैं कि वे बोल सकते हैं, उन्हें बोलने की आजादी है, लेकिन इसका नुकसान देश को भुगतना पड़ रहा है। विडम्बना देखिये कि इसका नुकसान उनको एवं उनके दल को भी हो रहा है। भारत में सनातन विरोध की राजनीति करके वे अपनी ही जड़े उखाड़ रहे हैं, यह उनकी राजनीतिक अपरिपक्वता को ही दर्शा रहा है।

मध्यप्रदेश के छतरपुर में बागेश्वर धाम मेडिकल एवं साइंस रिसर्च सेंटर की आधारशिला रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महाकुंभ का उल्लेख करते हुए जिस तरह कुछ विपक्षी नेताओं पर निशाना साधा, उसकी आवश्यकता इसलिए थी, क्योंकि कुछ लोग वास्तव में अनावश्यक और अनर्गल टीका-टिप्पणी करने में लगे हुए हैं। पुरानी कहावत है, मियाँ को न पाऊँ तो बीवी को नोच खाऊँ वाली स्थिति विपक्षी नेताओं एवं दलों की हो चुकी है। इसे छिद्रान्वेषी मानसिकता ही कहा जाएगा। इस प्रकार की उद्देश्यहीन, अनर्गल, उच्छृंखल एवं विध्वंसात्मक आलोचना से किसी का हित सधता हो, ऐसा प्रतीत नहीं होता। विपक्षी नेता अपने नजरिए को बदलें और देश में नफरत और झूठ की राजनीति करके भ्रम फैलाने की ओछी राजनीतिक हरकतों से बाज आएं। विपक्ष जिस भाषा का प्रयोग कर रहा है, वह किसी भी सभ्य समाज को शोभा नहीं देती। विपक्षी नेताओं ने सारी हदें लांघते हुए जो तुलनाएँ की, जो अनर्गल प्रलाप किया है वह निश्चित रूप से अतिरेक या अतिशयोक्ति कही जा सकती हैं। प्रतीत होता है हर दिखते समर्पण की पीठ पर स्वार्थ चढ़ा हुआ है। इसी प्रकार हर अभिव्यक्ति में कहीं न कहीं स्वार्थ की राजनीति है, सत्तापक्ष को नुकसान पहुंचाने की ओछी मनोवृत्ति है।

कुछ विपक्षी नेताओं ने चुन-चुनकर इस आयोजन की समस्याओं को गिनाने में अतिरिक्त दिलचस्पी दिखाई और इस क्रम में वहां मची भगदड़ का जिक्र करते हुए यहां तक कहा कि उसमें हजारों लोगों की मृत्यु हुई है। यह गैरजिम्मेदारी, मानसिक दिवालियापन एवं अपरिपक्व सोच के अतिरिक्त और कुछ नहीं। यह अच्छा हुआ कि प्रधानमंत्री ने ऐसे लोगों को कठघरे में खड़ा किया, क्योंकि वे हिंदू आस्था पर जानबूझकर प्रहार ही कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने सही कहा कि महाकुंभ भारत की संस्कृति, आस्था और एकता का प्रतीक है। यह ठीक है कि जिस आयोजन में प्रतिदिन एक-दो करोड़ लोगों की भागीदारी होती हो, वहां कुछ समस्याएं हो सकती हैं और वे दिखीं भी, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि इस आयोजन को विफल बताने की कोशिश की जाए अथवा यह कहा जाए कि श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया है। अच्छा हो कि विपक्षी नेता यह समझें कि ऐसे आयोजनों पर उनकी बेजा एवं बेतूकी टिप्पणियां उन्हें राजनीतिक रूप से नुकसान ही पहुंचाती हैं।

हिन्दू आस्था से नफरत करने वाले ये लोग सदियों से किसी न किसी शक्ल में रहते रहे हैं। गुलामी की मानसिकता से घिरे ये लोग हिन्दू मठों, मंदिरों, संतों, संस्कृति व सिद्धांतों पर हमला करते हुए राजनीति करते रहे हैं। ऐसे लोग भूल जाते है कि हिन्दू भारत का बहुसंख्य वर्ग है, भारत एक हिन्दू राष्ट्र है, उसका विरोध करते हुए वे अपनी राजनीति जमीन को ही खोखला करते हैं। मोदी-योगी एवं भाजपा विरोध करते हुए वे राष्ट्र एवं सनातन विरोध पर उतर आते हैं। हिन्दू पर्व, परंपराओं और प्रथाओं को गाली देते है, जो धर्म एवं संस्कृति स्वभाव से ही प्रगतिशील है, विश्व मानवता को जोड़ने वाली है, उस पर कीचड़ उछाल कर वे सछिद्र नाव में सवार है। हिन्दू समाज को बांटना, उसकी एकता को तोड़ना ही इनका एजेंडा हैं।

महाकुम्भ कोई नया आयोजन नहीं है, बल्कि यह वैदिक परंपरा से चला आ रहा है। ऋग्वेद, अथर्ववेद और श्रीमद्भागवत महापुराण में भी इसका उल्लेख है। यह आयोजन भारतीय संस्कृति की आत्मा है और इसे संकीर्ण राजनीतिक नजरिए से देखना अनुचित है। विपक्षी दलों के बयान ना सिर्फ उनके सनातन विरोधी चरित्र को दिखाता हैं बल्कि उनकी गिद्धदृष्टि को भी उजागर करता है जो महाकुंभ के खिलाफ दुष्प्रचार की आंधी से हिन्दू धर्म एवं संस्कृति को धुंधलाने की कुचेष्टा एवं षडयंत्र है। यह सनातन धर्म पर प्रहार न केवल निंदनीय है बल्कि शर्मनाक भी है। जबकि विदेशों से आये मेहमानों ने महाकुंभ के भव्य, व्यवस्थित एवं सफल आयोजन की भरपूर सराहना की है, इटली से आए एक श्रद्धालु ने कहा, यहां आकर जो मेरा अनुभव है, वह काफी शानदार रहा है। इटली के ही एक फोटोग्राफर ने कहा कि वह महाकुंभ की तस्वीरें लेने आए हैं। कुंभ में घूमने के दौरान कुछ लोगों से मिलने का मौका मिला। मुझे भारत की विविधता काफी अच्छी लगती है। उन्होंने बताया कि वह अब तक पांच कुंभ मेलों में शामिल हो चुके हैं, लेकिन यह उनमें सबसे बेहतर है। ब्रिटेन से आई एक श्रद्धालु ने कहा, बहुत खुश हूं। यह एक बहुत ही खास जगह है। यह काफी जादुई लगता है। बहुत, बहुत अच्छा, एक प्यारा अनुभव। ब्रिटेन के ही एक अन्य श्रद्धालु ने कहा कि यहां गंगा नदी में स्नान का अनुभव काफी अच्छा है। मैं समझता हूं कि भारत सबसे बढ़िया देश है। इस तरह भारत के गौरव को बढ़ाने वाली इन टिप्पणियों से न केवल महाकुंभ बल्कि सनातन संस्कृति का दुनिया में परचम फहराया है बल्कि उसमें चार चांद लगे हैं।

सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर दस्तक देने को तैयार डाकू महाराज

साउथ सिनेमा के दिग्गज अभिनेताओं के बारे में जिक्र किया जाए तो उसमें नंदमुरी बालाकृष्ण का नाम जरूर शामिल होता है। बीते समय में उन्होंने अपनी एक्शन थ्रिलर फिल्म डाकू महाराज के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है।

इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करके दिखाया और अब इसकी ओटीटी रिलीज का एलान भी मेकर्स की तरफ से कर दिया गया है। ऐसे में आइए जानते हैं कि डाकू महाराज को कब और कहां किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर ऑनलाइन रिलीज किया जाएगा।

लंबे समय से फैंस डाकू महाराज की ओटीटी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। नंदुमरी बालाकृष्ण, उर्वशी रौतेला और बॉबी देओल स्टारर इस फिल्म को क्रिटिक्स और ऑडियंस की तरफ से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिला है, जिसके चलते कमाई के मामले में भी ये मूवी अव्वल रही। अब निर्माताओं ने इसकी ओटीटी रिलीज को लेकर लेटेस्ट जानकारी साझा की है।

दरअसल फेमस ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स इंडिया की तरफ से डाकू महाराज की ओटीटी रिलीज की ऑफिशियल अनाउंसमेंट की गई है।

आने वाली 21 फरवरी को इस फिल्म को नेटफ्लिक्स पर ऑलनाइन रिलीज किया जाएगा। मूलरुप से तेलुगु फिल्म होने के नाते अभी इस बात की जानकारी सामने नहीं आई है कि हिंदी भाषा में भी इसी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर डाकू महाराज को स्ट्रीम किया जाएगा।

लेकिन डाकू महाराज की ओटीटी रिलीज घोषणा के बाद सिनेप्रेमियों की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है और वे इसकी ऑनलाइन रिलीज के लिए बेताब नजर आ रहे हैं। अगर आपने भी अभी तक इस मूवी को नहीं देखा है तो इसे आप फरवरी के दिन नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।

पिछले महीने 12 जनवरी को डाकू महाराज को बड़े पर्दे पर रिलीज किया गया था। पहले इस मूवी को हिंदी बेल्ट में छोडकर बाकी अन्य सभी भाषाओं में रिलीज किया गया। ओपनिंग वीकेंड पर मूवी ने बॉक्स ऑफिस पर धमाकेदार प्रदर्शन करके दिखाया। बाद में 24 जनवरी को हिंदी रिलीज में भी इसे ठीकठाक रिस्पॉन्स मिला।

गौर किया जाए डाकू महाराज के टोटल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की तरफ तो नंदमुरी बालाकृष्ण की इस फिल्म ने घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कुल 89 करोड़ का कारोबार किया था। जबकि वर्ल्डवाइड फिल्म की ये कमाई करीब 130 करोड़ रही थी।

एक्शन–थ्रिलर फिल्म मार्को का तेलुगु डब संस्करण ओटीटी पर होगा रिलीज

हाल ही में उन्नी मुकुंदन अभिनीत फिल्म 'मार्को' बीते 14 फरवरी को यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज कर दी गई थी। लेकिन अब इसका केवल तेलुगु संस्करण ही एक अन्य स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने वाला है। यह फिल्म एक्शन से भरपूर है। हनीफ अदेनी के निर्देशन में बनी इस फिल्म का तेलुगु डब वर्जन 21 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। यह फिल्म अहा पर स्ट्रीम होगी। अहा स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने इसके ओटीटी रिलीज के बारे में बताते हुए एक्स पर लिखा कि अहा पर अभी तक की सबसे हिंसक फिल्म तेलुगु डब रिलीज होने वाली है, जिसे देखने के लिए आप तैयार हो जाइए। 21 फरवरी का आ रही यह फिल्म।

फिल्म एक ऐसे गैंगस्टर की कहानी बताती है जो अपने भाई की हत्या के बाद उसका बदला लेने के लिए एक खतरनाक रूप में हत्यारों को मारता है। यह एक हिंसात्मक फिल्म है, इसलिए इस एडल्ट के लिए ही मान्यता दी गई है।

इस फिल्म में उन्नी मुकुंदन के अलावा ईशान शौलथ, अभिमन्यु एस. थिलकन, युक्ति थरेजा, कबीर दुहान सिंह और सिद्दीकी शामिल हैं। फिल्म का संगीत रवि बसरूर ने दिया है। इसका निर्माण शरीफ मुहम्मद ने किया है।

20 दिसंबर को यह फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।उन्नी मुकुंदन के मुख्य भूमिका वाली इस फिल्म को भारत की सबसे इंटेंस वायलेंस वाली फिल्म माना गयाहै। इस फिल्म 20 दिसंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। रिलीज के 15 दिन बाद ही इस फिल्म ने 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया था। यह पहली ए–रेटेड मलयालम फिल्म है, जिसने वैश्विक स्तर पर 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया।

नागा चैतन्य स्टारर तंडेल का बॉक्स ऑफिस पर बजा डंका

नागा चौतन्य की नवीनतम फिल्म थंडेल ने दुनिया भर में 100 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई करके बॉक्स ऑफिस पर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। यह अभिनेता की पहली 100 करोड़ रुपये की कमाई वाली फिल्म है और वह इसकी सफलता से बेहद खुश हैं। रोमांटिक ड्रामा ने सिनेमाघरों में नौ दिन पूरे कर लिए हैं और 56 करोड़ रुपये की कमाई की है और यह सुनिश्चित किया है कि अब से जो भी कमाई होगी वह निर्माताओं के लिए शुद्ध लाभ होगी। फिल्म ने अपने नौवें दिन दुनिया भर में 2.7 करोड़ रुपये की कमाई की है। अन्य फिल्मों से कोई बड़ी प्रतिस्पर्धा नहीं होने के कारण थंडेल के बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन जारी रखने की उम्मीद है। फिल्म की सफलता ने नागा चौतन्य के बाजार मूल्य को भी बढ़ा दिया है क्योंकि नेटफ्लिक्स ने 55 करोड़ रुपये में डिजिटल अधिकार हासिल कर लिए हैं। इससे यह सुनिश्चित होता है कि निर्माता फिल्म की स्ट्रीमिंग रिलीज से पहले ही मुनाफा सुरक्षित कर लेंगे। डीएसपी द्वारा रचित फिल्म संगीत इसकी सफलता में महत्वपूर्ण कारक रहा है और सभी गाने चार्टबस्टर बन गए हैं।

बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की मजबूत शुरुआत का श्रेय संगीत के साथ–साथ नागा चौतन्य और साई पल्लवी के अभिनय को दिया जा सकता है। साई पल्लवी ने अपने करियर में एक और सुपरहिट जोड़ ली है और प्रशंसकों ने थांडेल में उनके अभिनय की प्रशंसा की है।

चूंकि थांडेल बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है, इसलिए सभी की निगाहें इस बात पर हैं कि सप्ताह के दिनों में फिल्म कैसा प्रदर्शन करेगी।

बढ़ी हुई दाढ़ी, इंटेंस लुक में दिल टूटे आशिक बने कार्तिक आर्यन

फिल्म आशिकी 3 का फर्स्ट लुक रिवील

आशिकी और आशिकी 2 की अपार सफलता के बाद दर्शक इस म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म की तीसरी कड़ी आशिकी 3 का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे. वहीं पिछले कुछ दिनों से चर्चा थी कि आशिकी 3 के लिए कार्तिक आर्यन को चुना गया है. अब लगता है कि मेकर्स ने इंतजार खत्म कर दिया है लेकिन छोटे से सस्पेंस के साथ. टी सीरीज के भूषण कुमार ने कार्तिक आर्यन स्टारर म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म का फर्स्ट लुक रिवील कर दिया है लेकिन आशिकी 3 कहीं भी मेंशन नहीं किया. लेकिन टीजर देखकर लोग कह रहे हैं कि यही आशिकी 3 है.

कार्तिक आर्यन ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट पर फर्स्ट लुक शेयर किया, जिसमे कार्तिक काफी इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं. वे गिटार लेकर मंच पर आते हैं और गाना शुरू करते हैं. कार्तिक आर्यन की अपकमिंग म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म का फर्स्ट लुक और रिलीज डेट सामने आ गई है. तू मेरी आशिकी है, गाते हुए कार्तिक एकदम दिल टूटे आशिक की तरह लग रहे हैं. टीजर रिलीज करते हुए कार्तिक ने लिखा, इस दिवाली. उन्होने अनुराग बासु, भूषण कुमार, प्रीतम को टैग भी किया है.

मेकर्स ने म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म की हीरोइन को भी इस फर्स्ट लुक में रिवील कर दिया है. इस फिल्म में कार्तिक आर्यन कोई और नहीं बल्कि साउथ एक्ट्रेस श्रीलीला संग रोमांस करते दिखेंगे. फिल्म दिवाली 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी.

मेकर्स ने फर्स्ट लुक के साथ फिल्म का नाम मेंशन तो नहीं किया लेकिन लोग यही कह रहे हैं कि यही आशिकी 3 है. क्योंकि काफी टाइम से कार्तिक इस फिल्म को लेकर चर्चा बटोर रहे थे. वहीं जब वे गाने में भी तू ही आशिकी है...जैसे लिरिक्स से भी पता चलता है कि ये रोमांटिक म्यूजिकल फिल्म आशिकी 3 है. जो भी हो लेकिन दर्शक इसे लेकर काफी एक्साइटेड हो गए हैं.

अक्षय कुमार का गाना महाकाल चलो जारी, शिवलिंग से लिपटे दिखे अभिनेता

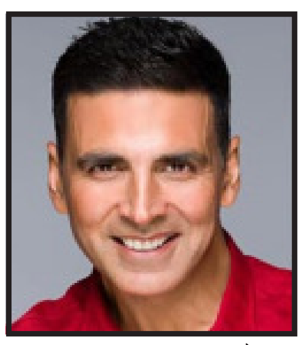

महाशिवरात्रि से पहले अभिनेता अक्षय कुमार का गाना महाकाल चलो रिलीज हो गया है। दिलचस्प बात यह है कि महाकाल को समर्पित यह गीत अक्षय ने पलाश सेन और विक्रम मोंट्रो के साथ मिलकर गाया है। इसके बोल शेखर अस्तित्व ने लिखे हैं। गाने का निर्देशन गणेश आचार्य ने किया है।

महाकाल चलो में अक्षय भगवान शिव की भक्ति में लीन नजर आ रहे हैं। गाना गाते हुए वह शिवलिंग से लिपटे दिखाई दे रहे हैं।

अक्षय ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर महाकाल चलो गाना साझा किया है। उन्होंने लिखा, शिव भक्ति में एक और कदम, महाकाल चलो उम्मीद है कि जिस दिव्य अनुभव को मैंने गाते समय महसूस किया, वही आप भी महसूस करेंगे।

काम के मोर्चे पर बात करें तो अक्षय जल्द ही फिल्म केसरी: चौप्टर 2 में नजर आएंगे। यह फिल्म 18 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। अनन्या पांडे और आर माधवन भी इस फिल्म का हिस्सा हैं।

जैस्मिन भसीन ने अपनी आगामी फिल्म बदनाम का पोस्टर किया रिलीज

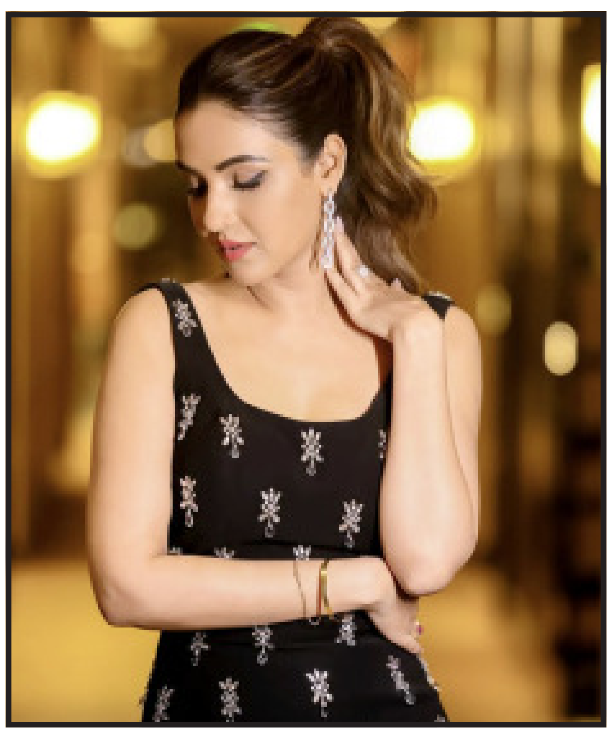

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन ने अपनी आने वाली फिल्म बदनाम का पोस्टर और रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है. जैस्मिन ने अपने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर किया, जो अब सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है. फिल्म बदनाम 28 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. पोस्टर में जैस्मिन भसीन और जय रंधावा की जोड़ी नजर आ रही है, जो इस फिल्म की कहानी में दमदार भूमिका निभाएंगे. यह फिल्म एक्शन, ड्रामा और रोमांच से भरपूर होने की उम्मीद है.

फिल्म के पोस्टर में जय रंधावा का रौबदार लुक और जैस्मिन का सशक्त अंदाज देखने को मिल रहा है. बैकग्राउंड में रोमांचक एक्शन सीन और बाघ का चित्रण फिल्म की इंटेंस कहानी की झलक दिखाता है. जैस्मिन भसीन ने पोस्टर के साथ लिखा, बदनाम 28 फरवरी 2025 को दुनिया भर में रिलीज होगी. फैंस इस पोस्ट पर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर करते हुए कमेंट कर रहे हैं.

आने वाली पंजाबी फिल्म 'बदनाम' एक एक्शन ड्रामा फिल्म है. जिसका निर्देशन मनीष भट्ट ने किया है. जय रणधावा, जैस्मिन भसीन और मुकेश ऋषि जैसे कलाकारों से सजी यह फिल्म अपने शानदार कथानक और दिलकश दृश्यों के साथ दर्शकों को बांधने का वादा करती है. यह फिल्म 28 फरवरी 2025 को रिलीज होने जा रही है और भारतीय सिनेमा में कहानी और इनोवेशन का नया मापदंड स्थापित करेगी.

एथनिक लुक में नेहा शर्मा ने इंटरनेट पारा किया गर्म

बी–टाउन की ग्लैमरस हसीना नेहा शर्मा अपनी फिल्मों से ज्यादा हॉटनेस और बोल्डनेस को लेकर चर्चाओं में रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस नेहा शर्मा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका स्टनिंग अवतार देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं। एक्ट्रेस नेहा शर्मा अपनी फिल्मों से ज्यादा बोल्ड ड्रेसिंग सेंस और फिगर के चलते लोगों के बीच मशहूर रही हैं। उन्होंने अपनी हॉटनेस से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया हुआ है कि लोग तारीफ करते नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस नेहा शर्मा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर लुक देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

बता दें कि नेहा शर्मा जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी–अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस नेहा शर्मा ने रेड कलर का इंडो–वेस्टर्न आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो कैमरे सामने एक से बढकर एक किलर पोज देते हुए अपना फिगर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। मिनिमल मेकअप, गले में नेकलेस, कानो में इयररिंग्स और खुले बालों को वेवी लुक में स्टाइल कर कर के एक्ट्रेस नेहा शर्मा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनका यह अंदाज फैंस को भी काफी पसंद आ रहा है। नेहा शर्मा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही फैंस के बीच बवाल मचाने लगता है।

राम भवन में ईशा मिश्रा का किरदार निभाने पर खुशबू राजेंद्र

चुनौतियों का सामना करना जारी रखूंगी

अभिनेत्री खुशबू राजेंद्र को राहुल कुमार तिवारी और रोलिंग टेल्स प्रोडक्शन के नए शो राम भवन में मुख्य भूमिका ईशा मिश्रा के रूप में लिया गया है। यह नाटक सामाजिक मुद्दों पर गहराई से चर्चा करता है, जो महाकाव्य पौराणिक कथा रामायण से समानताएं दर्शाता है। हाल ही में एक बातचीत के दौरान खुशबू राजेंद्र ने ईशा मिश्रा की भूमिका की तैयारी के दौरान अपनी चुनौतियों के बारे में खुलकर बात की। अभिनेत्री ने खुलासा किया, मुझे कार चलाना नहीं आता था, और मैंने बीच में ही सीख लिया। यह थोड़ा चुनौतीपूर्ण था, लेकिन अब तक सब ठीक है। उम्मीद है कि मैं आगे भी सीखती रहूंगी, और चुनौतियों का सामना करूंगी और टीम के साथ मिलकर उनसे पार पाऊंगी।

राम भवन से जुडकर बेहद उत्साहित, उन्होंने कहा, मैं इस प्रोडक्शन हाउस से जुडकर बेहद रोमांचित हूं, खासकर राहुल सर। पूरी टीम गर्मजोशी से स्वागत करती है और कहानी कहने में बहुत सावधानी बरतती है। वे शूटिंग शुरू होने से पहले ही बारीक विवरणों, खासकर किरदारों के बीच की गतिशीलता पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

खुशबू राजेंद्र ने यह भी दावा किया कि राम भवन सिफर्र एक पारिवारिक ड्रामा नहीं है। उन्होंने कहा कि यह शो आज के समाज से जुड़े विषयों को दर्शाता है, जिसमें घरों के भीतर सत्ता का संतुलन और आधुनिक रिश्तों की चुनौतियाँ शामिल हैं। अभिनेत्री ने आगे बताया, कहानी आज की दुनिया से गहराई से जुड़ी हुई है।

यह वही पुराना ड्रामा नहीं है जो सदियों से दोहराया जाता रहा है। इसके बजाय, यह जटिल, विस्तृत और अच्छी कहानी कहने पर आधारित है। यह शो पौराणिक कथाओं और समकालीन मुद्दों का एक बेहतरीन मिश्रण है। इस बारे में बात करते हुए, उन्होंने कहा, रामायण और रामभवन की वर्तमान वास्तविकता के बीच समानताएं इस कहानी को इतना खास बनाती हैं। मेरा किरदार, ईशा, इस घर में रोशनी लाता है और एक आधुनिक सीता का रूप धारण करता है। दर्शकों पर शो के प्रभाव के बारे में अपनी आशा व्यक्त करते हुए खुशबू राजेंद्र ने कहा, मैं रामभवन की दुनिया में शामिल होने के लिए बेहद उत्साहित हूं। इसमें जुडने के लिए बहुत कुछ है, और मैं यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकती कि दर्शक कहानी से कैसे जुड़ते हैं।

बम बम भोले के जयकारों से गूंजी तीर्थनगरी

संवाद सहयोगी

ऋषिकेश। तीर्थनगरी में महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। महाशिवरात्रि पर शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। शिवालयों में दिनभर घंटियों और शंख की ध्वनि के बीच बम बम भोले के जयकारे गूंजते रहे। तीर्थनगरी ऋषिकेश में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर बुध वार सुबह से ही शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती दिखी। घंटियों और शंख की ध्वनि के बीच बम बम भोले के जयकारों से तीर्थनगरी गूंज उठी। सुबह से ही शिव भक्त की लाइन मंदिरों में लगी रही। ऋषिकेश के चंद्रेश्वर महादेव मंदिर, सोमेश्वर महादेव मंदिर, वीरभद्र महादेव मंदिर सहित अन्य शिवालयों में श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए लंबी लाइनों में लगे रहे और अपनी अपनी बारी कर इंतजार करते दिखे। श्रद्धालुओं ने भांग, धतूरा, बेल पत्र, फल और पूजा सामग्री से भगवान शिव की पूजा अर्चना और जलाभिषेक किया। तमाम मंदिरों व आसपास का माहौल भक्तिमय बना रहा। जलाभिषेक के लिए पहुंचे भक्तों ने भगवान शिव से अपने परिवार के लिए सुख-समृद्धि की कामना की।

डोईवाला में शिवरात्रि पर जलाभिषेक हुआ-डोईवाला और आसपास के क्षेत्रों में महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया गया। बुधवार को महाशिवरात्रि पर लच्छीवाला स्थित लचछेश्वर मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी लाइन लगी रही। श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना और जलाभिषेक कर भोलेनाथ से सुख समृद्धि की कामना की। उधर, डांडी स्थित शिव मंदिर में भी भक्तों ने पहुंचकर पूजा अर्चना की।

शिवरात्रि पर गंगा स्नान को उमड़े श्रद्धालु-बुधवार को महाशिवरात्रि और महाकुंभ में अंतिम स्नान को लेकर ऋषिकेश के तमाम गंगा घाटों में गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। बुधवार तड़के से दोपहर तक गंगा घाटों में श्रद्धालु स्नान करते दिखे। ऋषिकेश का त्रिवेणी घाट, दत्तात्रेय घाट, नाव घाट, रामानंद घाट, साईं घाट, 72 सीढ़ी घाट, मुनिकीरेती का दयानंद घाट, पूर्णानंद घाट, शत्रुघ्न घाट, स्वर्गाश्रम जौंक का सीता घाट, राम घाट आदि जगहों पर श्रद्धालुओं की भीड़ दिनभर दिखी। गंगा स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं ने शिवालयों में पहुंचकर पूजा अर्चना की। मेले में झूले और स्वादिष्ट व्यंजनों का उठाया लुत्फ-महाशिवरात्रि पर्व को लेकर वीरभद्र महादेव मंदिर के समक्ष मैदान में मेले का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों के लिए विभिन्न प्रकार के झूले, खिलौनों और स्वादिष्ट व्यंजनो की दुकानें लगी। क्षेत्र के लोगों व बच्चों ने मेले में पहुंचकर वहां लगे झूले का आनंद उठाया। इसके अलावा बच्चे खेल सामग्री खरीदते दिखे। कई लोग ने फास्ट फूड व अन्य व्यंजनों की दुकान में स्वाद चखते और लुत्फ उठाते दिखे।

वहीं महाशिवरात्रि पर्व पर जिला मुख्यालय उत्तरकाशी में शिव बारात और काशी विश्वनाथ मंदिर ध्वज की शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमें गंगा व यमुना घाटी की समृद्ध संस्कृति की झलक लोगों को देखने को मिली। बुधवार को महाशिवरात्रि पर्व बड़ी संख्या में श्रद्धातु रामलीला मैदान में एकत्रित हुए। जहां से नंदी पर सवार शिव व डोली में बैठी पार्वती के साथ ही विश्वनाथ ध्वज की शोभा यात्रा निकाली गई जो नगर क्षेत्र के मुख्यमार्गों से होते हुए बस अड्डा, भटवाड़ी रोड, भैरव चौक होते हुए विश्वनाथ मंदिर में संपन्न हुई। इस शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने अपने पारंपरिक वेशभूषा में रांसो व तांदी नृत्य की प्रस्तुति दी। बारात में जाड़ भोटिया जनजाति, साधु संत, नेपाली मूल के लोगों ने भी बढ़चढ़कर प्रतिभाग किया। इसके साथ संस्कृत महाविद्यालय व गोपाल विद्या मंदिर के छात्र-छात्राओं तथा आदर्श रामलीला समिति के कलाकारों सहित विश्वनाथ भूतपूर्व सैनिक संगठन, प्रजापति ब्रह्मकुमारी के स्वयं सेवक, स्वभिमान मंच के स्वयं सेवक, गायत्री परिवार के स्वयं सेवक भी शिव बारात की झांकी में मौजूद रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव 1 मार्च से ऋषिकेश में

संवाद सहयोगी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार उत्तराखंड को योग की वैश्विक राजधानी के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से गढ़वाल मंडल विकास निगम एवं पर्यटन विभाग द्वारा 1 मार्च से 7 मार्च तक ऋषिकेश में अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

गढ़वाल मंडल विकास निगम के प्रबंध निदेशक विशाल मिश्रा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रतिष्ठित योग महोत्सव गंगा रिसोर्ट, ऋषिकेश में आयोजित होगा, जिसका उद्घाटन 1 मार्च को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा किया जाएगा। इस आयोजन में देश-विदेश के ख्यातिप्राप्त योगाचार्य, साधकों और प्रतिभागियों को विभिन्न योग आसनों और ध्यान विधियों का अभ्यास कराएंगे। महोत्सव के दौरान प्रतिदिन विभिन्न सत्रों में योग प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, की प्रस्तुतियां होंगी तथा आध्यात्मिक संतों के प्रवचन भी होंगे। उत्तराखंड की पूरी दुनिया में योग और अध्यात्म की भूमि के रूप में पहचान हैं। ऋषिकेश न केवल योग की अंतर्राष्ट्रीय राजध ानी है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर का प्रतीक भी है। अन्तर्राष्ट्रीय योग महोत्सव से पूरी दुनिया को भारत की इस प्राचीन विधा का लाभ मिल सकेगा। मैं सभी योग प्रेमियों और साधकों से इस महोत्सव में भाग लेने का आह्वान करता हूँ।

संत निरंकारी मिशन के सेवादारों ने नदी की सफाई की

कोटद्वार। संत निरंकारी मिशन की हल्दूखाता ब्रांच की ओर से मानव कल्याण के संकल्प और सेवा भावना को सार्थक करने के लिए प्रोजेक्ट अमृत के तहत स्वच्छ जल, स्वच्छ मन परियोजना के तृतीय चरण में कण्वाश्रम में मालन नदी के तट पर सफाई की गई। सफाई अभियान में 150 सदस्यों ने प्रतिभाग किया। संत निरंकारी मंडल ब्रांच हल्दूखाता के ब्रांच मुखी सतेंद्र सिंह बिष्ट एवं सेवादल यूनिट संचालन विनोद गौड़ के दिशा निर्देश पर साध संगत, सेवादारों एवं चौरिटेबल फाउंडेशन के सदस्यों ने कण्वाश्रम में मालन नदी के तट पर सफाई अभियान चलाया। इस दौरान मालन नदी में करीब डेढ़ किलोमीटर तक सफाई की।

परिसंपत्तियों के बंटवारे संबंधित समस्त प्रस्ताव करें तैयार : महाराज

संवाद सहयोगी

देहरादून। प्रदेश के सिंचाई, लोक निर्माण, पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति, पंचायतीराज, जलागम एवं ग्रामीण निर्माण, मंत्री सतपाल महाराज ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के बीच परिसंपत्तियों के बंटवारे को लेकर जितने भी विषय और समस्याएं हैं उसे लेकर तत्काल प्रस्ताव तैयार किये जाए। उन्होंने कहा कि इस संबंध में वह स्वयं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर वार्ता करेंगे। उक्त बात प्रदेश के सिंचाई, लोक निर्माण, पर्यटन, धर्मस्व, संस्कृति, पंचायतीराज, जलागम एवं ग्रामीण निर्माण, मंत्री सतपाल महाराज ने बुधवार को जनपद चंपावत स्थित बनवास में उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के गेस्ट हाउस में यूपी और उत्तराखंड के सिंचाई विभाग अधिकारियों की एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। उन्होंने बैठक के दौरान उत्तर प्रदेश के सिंचाई मंत्री से दूरभाष पर वार्ता कर वनवास स्थित उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के अधीन भारत-नेपाल को जोड़ने वाले पुल जिस पर यात्रियों का आवागमन होता है होता है उसके खुलने की समय सीमा बढ़ने का अनुरोध करते हुए कहा कि नेपाल से विशेष परिस्थितियों में आने वाले लोगों एवं एंबुलेंस आदि के मामले में समय की पाबंदी को समाप्त किया जाए। इसके अलावा सिंचाई मंत्री ने टनकपुर स्थित एनएचपीसी के एक अन्य पुल को भारी वाहनों के लिए खोलने के भी निर्देश दिए। सिंचाई मंत्री महाराज ने बैठक के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन राज्य मंत्री अजय टम्टा से वार्ता कर टनकपुर में बन रही ड्राई डॉग रोड को भी आवागमन के लिए शीघ्र चालू करने का अनुरोध किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के चीफ इंजीनियर को निर्देश दिए की उधम सिंह नगर स्थित नानक सागर में नौकायन के लिए शीघ्र जेटी (श्रमजजल) निर्माण की इजाजत दी जाए। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए की बनबसा स्थित भारत-नेपाल सीमा शारदा बैराज पर पोंटून पुल (च्वद. जववद इतपकहम) की संभावनाओं पर भी विचार किया जाए।

बंद घर से हुई चोरी का पुलिस ने किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

संवाद सहयोगी

देहरादून। शहर की बसंत विहार पुलिस ने चोरी की घटना का खुलासा करते हुए घटना को अंजाम देने वाले 2 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। चोरों की गिरफ्तारी चाय बागान खंडहर स्थित प्राइमरी स्कूल के पास से की गई है। चोरों के कब्जे से घटना में चोरी किए गए करीब 19 लाख रुपए के आभूषण और अन्य कीमती सामान समेत नकदी बरामद की गई। घटना का मास्टरमाइंड नगर निगम में सफाई कर्मचारी है। बसंत विहार पुलिस के मुताबिक, 24 फरवरी को अक्षय कपिल निवासी इंदिरानगर ने शिकायत दर्ज कराई कि, 21 फरवरी को वह अपने परिवार के साथ किसी कार्यक्रम में शामिल होने रुड़की गया था। वापस आया तो देखा कि अज्ञात चोर द्वारा उनके घर की खिड़की की ग्रिल और जाली तोड़कर घर के अंदर से सोने-चांदी के आभूषण समेत नकदी चोरी कर ली गई है. पीड़ित की तहरीर के आधार पर अज्ञात चोरों के खिलाफ थाना बसंत विहार में मुकदमा दर्ज किया गया।

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए थाना बसंत विहार प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। जांच के दौरान टीम ने घटनास्थल से संबंधित 35 सीसीटीवी कैमरों को चेक किया। इस दौरान पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दो संदिग्ध व्यक्तियों को चाय बागान खंडहर से थोड़ा आगे प्राइमरी स्कूल के पास से हिरासत में लिया। पूछताछ में संदिग्ध ों की पहचान सूरज साहनी और अंकित के रूप में की गई। दोनों की तलाशी में 2 हैंडबैग में चोरी के सोना-चांदी के आभूषण और नकदी बरामद हुई। पूछताछ में दोनों ने आभूषण और नकदी बसंत विहार क्षेत्र स्थित एक बंद घर से चोरी करना बताया गया। पुलिस द्वार दोनों आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया गया।

थाना बसंत विहार प्रभारी प्रदीप रावत ने बताया है कि,आरोपी अंकित नगर निगम में सफाई कर्मचारी है। 21 फरवरी को इंदिरा नगर सीबीआई ऑफिस के पीछे पार्क के पास सफाई करने के दौरान उसके द्वारा पीड़ित (अक्षय कपिल) को अपने परिजनों के साथ बैग लेकर कहीं बाहर जाते देखा गया। ये बात उसने अपने साथी सूरज साहनी को बताई और घर में चोरी की योजना बनाई। योजना के मुताबिक रात में बंद घर की खिड़की की ग्रिल और जाली तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया।

चोरी के माल से अधिक सामान बरामद: प्रदीप रावत ने आगे बताया कि चोरी के माल को दोनों ने चाय बागान के पास एक खंडहर में छिपा दिया था। जिसे आज बेचने की फिराक में थे। गिरफ्तार आरोपी सूरज साहनी पहले भी मादक पदार्थों की तस्करी और अन्य अपराधों में जेल जा चुका है। जिले के अलग-अलग थानों में उसके खिलाफ कई मुकदमे दर्ज हैं। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने चोरों के पास से पीड़ित द्वारा दी गई डिटेल चोरी के सामान से अधिक ज्वेलरी और अन्य कीमती सामान बरामद किये हैं।

उत्तराखंड को पांचवीं अनुसूची में शामिल करने की लड़ाई लड़ेंगे : उक्रांद

देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) के नवनियुक्त केंद्रीय अध्यक्ष युवा प्रकोष्ठ आशीष नेगी ने बुधवार को प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि उक्रांद उत्तराखंड को पांचवीं अनुसूची में शामिल करने की लड़ाई लड़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में यूसीसी लागू होने के बाद मूल निवास और भू कानून का मुद्दा अब केवल जनता को भ्रमित करने का माध्यम बन गया है। उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता के लागू होने के बाद लिव इन कानून और अन्य प्रावधानों के बाद प्रदेश से बाहर के व्यक्ति का सिर्फ एक वर्ष में ही प्रदेश का स्थायी निवासी बनना सम्भव हो गया है। ऐसे में केवल प्रदेश को पांचवीं अनुसूची में शामिल करने की मांग ही प्रदेश की जनता के हक में सबसे प्रभावी समाध ान हो सकता है।

उत्तराखण्ड में होली पर मिलावटी उत्पाद बेचे तो खैर नहीं

संवाद सहयोगी

देहरादून। राज्य सरकार ने त्योहारी सीजन को देखते हुए मिलावटखोरों के खिघ्लाफ प्रदेशभर में ब्यापक अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। खाद्य संरक्षा एवं औषधि नियंत्रण प्रशासन के आयुक्त डॉ आर राजेश कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत के निर्देशों पर खाद्य संरक्षा एवं औषधि नियंत्रण प्रशासन होली त्योहार के दौरान मिलावटी उत्पाद बेचने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगा। प्रशासन ने मिलावटखोरों से निपटने के लिए छापेमार दस्तों और सचल वाहन टीमों का गठन किया है। स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर राजेश कुमार का कहना है कि विभाग की प्राथमिकता आम लोगों को गुणवत्तापूर्ण और मिलावट रहित उत्पाद उपलब्ध कराना है। होली का त्योहार निकट है। ऐसे में खाद्य संरक्षा और औषधि नियंत्रण प्रशासन ने प्रदेश व्यापी अभियान शुरू किया है। विभाग के अपर आयुक्त एवं ड्रग कंट्रोलर ताजबर जग्गी का कहना है कि गढ़वाल और कुमाऊ मंडल में छापेमारी अभियान लगातार जारी है। विभाग ने विजिलेंस सेल का गठन किया है। यहां शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाती है और साथ ही सर्विलांस के माध्यम से भी मॉनिटरिंग की जा रही है। ताजबर जग्गी ने बताया हर जिले में नोडल अधिकारी बनाए गए हैं और वो फूड इंस्पेक्टर के माध्यम से विभिन्न प्रतिष्ठानों में छापेमारी कर सैंपलिंग कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सचल वाहनों में भी सैंपलिंग की व्यवस्था की गयी है। खाद्य संरक्षा और औषधि नियंत्रण प्रशासन के अपर आयुक्त ताजबर जग्गी ने बताया कि देहरादून, हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर में मावा, पनीर,खोया आदि की जांच की जा रही है ताकि आम लोगों को सही और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद मिल सके। उन्होंने बताया कि हम प्रदेश की सीमा के साथ लगते यूपी के शहरों के ड्रग कंट्रोलर और फूड इंस्पेक्टरों के साथ कार्डिनेट कर संयुक्त कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये हैं।

दून विवि में शिक्षा के परिवर्तनकारी विचारों पर एक और दो मार्च को होगा मंथन

संवाद सहयोगी

देहरादून। विद्याभारती उच्च शिक्षा संस्थान, दून विश्वविद्यालय, उत्तराखंड उच्च शिक्षा विभाग एवं उत्तराखण्ड विज्ञान व प्रौद्योगिकी परिषद्(यूकॉस्ट) के संयुक्त तत्वाधान में संस्थागत नेतृत्व तथा उच्च शिक्षा में परिवर्तनकारी नीतियों एवं विचारों के आदान-प्रदान के लिए दो दिनी राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन एक व दो मार्च को दून विवि में आयोजित होगा। शिखर सम्मेलन का शुभारंभ मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी करेंगे। समापन पर राज्यपाल लेज(रि) गुरमीत सिंह मुख्य अतिथि होंगे। दून विवि की कुलपति प्रो.सुरेखा डंगवाल ने सम्मेलन के बारे में बताया कि पूरे भारत से शिक्षाविद, वैज्ञानिक एवं प्रबुद्ध जन उच्च शिक्षा जगत में भारत केंद्रित शिक्षा तथा अनुसंधान का विस्तार करने और इसे मुख्य धारा से जोड़ने के प्रयासों, क्रियान्वयन पर मंथन करेंगे। यह सम्मेलन शिक्षा नीतियों एवं प्रयासों में परिवर्तनकारी नवविचारों के प्रवाह का महाकुंभ साबित होगा। प्रो. सुरेखा डंगवाल ने आशा व्यक्त की कि यह सम्मेलन भविष्य में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मील का पत्थर होगा। वर्तमान और आने वाली पीढ़ी के लिए सकारात्मक सदृढ़ समाज की स्थापना हो सकेगी। संस्थागत नेतृत्व का प्रथम शिखर सम्मेलन 2023 में देवी अहिल्याबाई होल्कर विवि इंदौर, दूसरा शिखर सम्मेलन 2024 में लखनऊ विवि में हुआ था। इस दो दिनी सम्मलेन में विवि अनुदान आयोग के अध्यक्ष प्रो. एम जगदीश कुमार, नैक चौयरमैन प्रो. अनिल सहस्त्रबुद्धे, नैक निदेशक प्रो. जी कन्नीवरन, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद-एआईसीटी चौयरमैन प्रो. टीजी सीताराम भी सम्मेलन को सम्बोधि त करेंगे। देश के प्रतिष्ठत शिक्षण संस्थानों जैसे आईआईटी, आईआईएम, आईआईएससी, केन्द्रीय विवि, राष्ट्रीय महत्व के शिक्षण संस्थानों के संस्था प्रमुख, कुलपति, निदेशक, वरिष्ठ आचार्य एवं प्राचार्य संस्थागत नेतृत्व के विभिन्न विषयों जैसे बहु-विषयक अनुसंधान, राष्ट्रीय शिक्षा नीति क्रियान्वयन रणनीति आदि विषयों पर विचार- विमर्श करेंगे।

सीएम धामी ने की महाशिवरात्रि पर पत्नी संग जलाभिषेक व पूजा अर्चना

संवाद सहयोगी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को महाशिवरात्रि के अवसर पर चकरपुर, खटीमा स्थित वनखंडी महादेव शिव मंदिर में सपत्नीक जलाभिषेक एवं पूजा अर्चना कर प्रदेश में सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री ने वनखण्डी महादेव मंदिर में 12 दिवसीय महाशिवरात्रि मेले का भी शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं को महाशिवरात्रि की बधाई देते हुए कहा कि भगवान भोलेनाथ की कृपा सभी पर बनी रहे। उन्होंने कहा वे कई वर्षो से महाशिवरात्रि के अवसर पर वनखंडी महादेव शिव मंदिर में आ रहे हैं। राज्य सरकार, प्रदेश में शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा देने पर कार्य कर रही है। शीतकालीन यात्रा का शुभारंभ उखीमठ के ओंकारेश्वर मंदिर से किया गया है। अब वर्ष भर हमारे धार्मिक स्थलों में श्रद्धालु आ सकेंगे, जिससे प्रदेश व क्षेत्र की जनता को सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वनखण्डी मंदिर को सुन्दर डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जायेगा। माँ पूर्णागिरि मंदिर में शीघ्र रोपवे, एवं टनकपुर में शारदा रिवर फ्रंट बनाया जा रहा है। जिसमें खटीमा व उसके आस पास के क्षेत्रों को रिवर फ्रंट डीपीआर में जोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि हनोल क्षेत्र के विकास के लिए सरकार ने 120 करोड़ की ध नराशि दी है। सरकार द्वारा पूरे प्रदेश का समेकित विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा खटीमा बस अड्डा शीघ्र तैयार होगा। टनकपुर बस अड्डे को 200 करोड़ रूपये की धनराशि से आई.एस.बी.टी बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के अंदर ध ार्मिक स्थलों का कायाकल्प हुआ है। जिससे पूरे देश में धार्मिक पुनर्जागरण हुआ है। उन्होंने कहा केदारनाथ में भीषण आपदा आने से श्रद्धालुओं का आना बहुत कम हो गया था। प्रध ानमंत्री ने केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण कर वहां पूजा अर्चना की एवं रात्रि प्रवास किया। और अब केदारनाथ ध ाम में हर साल 20 लाख से भी अधि क श्रद्धालु दर्शन करने आ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिथौरागढ़ के आदि कैलाश, जोलीकोंग की यात्रा की, जिससे मानसखंड को भी विश्व पटल नई पहचान मिली है। उन्होंने कहा आदि कैलाश पर जाने वाले यात्री कुमाऊँ सड़क मार्ग से ही जाते है। जिससे यहाँ के सभी प्रकार के कारोबारियों को वर्ष भर रोजगार मिलेगा। मानसखण्ड योजना के अंतर्गत कुमाऊँ के सभी मंदिरों को जोड़ा जा रहा है। जिससे धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में मेला समिति द्वारा मुख्यमंत्री का मंदिर सौंदर्यकरण हेतु पूर्व में 1 करोड़ रुपए की ध नराशि प्रदान करने हेतु आभार व्यक्त किया। मंदिर समिति ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र देकर सम्मानित भी किया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी, मंदिर समिति अध्यक्ष गोपाल सिंह बिष्ट, जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, गणेश जोशी, सुधीर वर्मा, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, एसएसपी मणिकांत मिश्रा, एवं अन्य लोग मौजूद रहे।